दैनिक
लोकहित की पुकार
RNI-MPHIN/37343
राजगढ़, रविवार 5 नवंबर, 2023 वर्ष-02 अंक-355 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपए
email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 6 कांग्रेस की सरकार बनना सुनिश्चत, सभी वादे होगें पूरेः दिग्विजयसिंह
पेज- 7 क्या इस बार भाजपा के गढ़ को भेद पाएगी कांग्रेस

न्यूज इन शार्ट

प्रत्याशी को स्टार प्रचारक के वाहन में बैठने पर खर्च जुड़ेगा

मुरैना । मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार के लिये आने वाले स्टार प्रचारक के वाहन में बैठने पर पचास प्रतिशत वाहन का खर्चा अब प्रत्याशी के खर्चे में जुड़ेगें। आधिकारिक जानकारी के अनुसार व्यय प्रेक्षक आलोक शर्मा और विजय कुमार मंगला ने यहां बताया कि चुनाव प्रचार के लिए आने वाले स्टार प्रचारक के वाहन में बैठने पर अब 50 प्रतिशत वाहन का खर्चा प्रत्याशी के खर्चे में जोड़ा जायेगा। उन्होंने बताया कि चुनाव में प्रत्याशियों के व्यय खर्चा की निगरानी किया जा रहा है। स्टार प्रचारक के हेलीकॉप्टर या वाहन को प्रत्याशी साझा करता है तो उस पर टीम पैनी नजर रखेगी। जिससे कि चुनाव आयोग का आदेश प्रभावित न हो।

अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत

भोपाल। भोपाल के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गयी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में एक कलारी के समीप अज्ञात वाहन ने रात्रि तीन लोगों को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद तीनों को हमीदिया अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान हसन अंसारी, हसमुद्दीन और अमजद खान के रूप में हुयी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने फेफड़े में धंसी 4 सेंमी की सुई निकालकर बच्चे की बचाई जान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चिकित्सकों ने सात वर्षीय बच्चे के बाएं फेफड़े में धंसी सुई को चुंबक की मदद से सफलतापूर्वक निकाला है। अस्पताल ने शनिवार को यह जानकारी दी। अस्पताल ने कहा कि बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग की टीम ने जटिल एंडोस्कोपिक प्रक्रिया के जरिये फेफड़े के भीतर धंसी चार सेंटीमीटर की सुई को निकाला। बच्चे को हेमोप्टाइसिस (खांसी के साथ रक्तस्राव) की शिकायत के बाद गंभीर स्थिति में बुधवार को एम्स में भर्ती कराया गया था। बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. विशेष जैन ने बताया कि रेडियोलॉजिकल जांच से पता चला कि बच्चे के बाएं फेफड़े में सिलाई मशीन की एक लंबी सुई धंसी हुई है। डॉ. जैन ने एक परिचित के जरिये उसी शाम चांदनी चौक बाजार से चुंबक खरीदने की व्यवस्था की। जैन ने कहा, ''चार मिलीमीटर चौड़ाई और 1.5 मिलीमीटर मोटाई वाला चुंबक इस काम के लिए एकदम सही उपकरण था। प्रोफेसर डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि सुई फेफड़े के भीतर इतनी गहराई तक धंसी थी कि पारंपरिक तरीके लगभग अप्रभावी साबित होते।

चुनावों से पहले छत्तीसगढ़ के दुर्ग से पीएम मोदी का बड़ा ऐलान

पांच साल और मिलेगा गरीबों को मुफ्त में राशन

बस्तर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत मुफ्त राशन योजना को अगले पांच वर्ष के लिए बढ़ाने का ऐलान करते हुए कहा कि गरीब कल्याण उनकी सबसे पहली प्राथमिकता है। मोदी ने आज यहां एक बड़ी चुनावी सभा में यह घोषणा करते हुए कहा कि 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन देने की यह योजना दिसम्बर माह में समाप्त हो रही थी लेकिन अब यह पांच साल बढ़ाई जायेंगी। यह केवल चुनावी घोषणा नहीं बल्कि यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत रोजी रोटी कमाने घरों से दूर जाने वालों को भी वन नेशन वन राशन काड के जरिए देशभर में खाद्यान्न लेने की सुविधा मिलेगी।

पीएम ने जाति जनगणना को लेकर कांग्रेस का नाम लिए बगैर उस पर निशाना साधते हुए कहा कि सबसे बड़ी जाति गरीब की है जिसके लिए उनकी सरकार ने तमाम योजनाओं शुरू की है। उन्हें डर लग गया है कि गरीब अगर इकठ्ठा हो गए और उनकी तातक बन गई तो उनका क्या होगा। दुकान चलाने के लिए नया नया खेल खेला जा रहा है। गरीब को बांटने और उसे आपस में लड़ाने का खेल शुरू हो रहा है। गरीब की एकता तोड़ने के लिए नए नए षडयंत्र हो रहे है।जातिवाद का जहर घोला जा रहा है। उन्होने लोगो से इस साजिश को एकजुट होकर विफल करने को कहा।

ओबीसी वर्ग का बड़ा हितैषी बताते हुए मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। मेडिकल कालेजों में ओबीसी आरक्षण दिया,सबसे अधिक ओबीसी मंत्री उनकी सरकार में है,फिर भी एक ओबीसी प्रधानमंत्री को कांग्रेस के लोग दिन भर पानी पी पी कर गाली देते है। जाति से नफरत है तो इसके लिए पूरे ओबीसी समाज को क्यों गाली देते है। ओबीसी को गाली देना बन्द करना चाहिए। उन्होने वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उनकी ओर इशारा करते हुए कहा कि कांग्रेस के एक नेता ने छत्तीसगढ़ के साहू समाज को चोर बता दिया। अदालत ने उन्हें सजा भी सुना दी। सुप्रीम कोर्ट से जेल जाने में थोड़ा मोहलत दे दी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ का उल्लेख करते हुए कहा कि ईश्वर साहू के बेटे का आखिर क्या गुनाह था। मोदी ने ईडी की रायपुर में छापे की कार्रवाई और नगदी की बरामदगी का जिक्र करते हुए कहा कि लोग कह रहे है कि पैसा सट्टेबाजों का है। मीडिया में आ रहा है कि यह उन तक जा रहा हैं। फिर भीड़ से पूछा किन तक तो जवाब आया भूपेश बघेल। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि दुबई में बैठे सट्टेबाजों से उनके क्या सम्बन्ध हैं।उन्होने कहा कि इसके बाद से मुख्यमंत्री बौखलाए हुए है,उनके लोग संदेश भेज रहे है कि भाजपा के लोगो से पैसे की बरामदगी करवा दी जायेंगी।धमकी दे रहे है,किसको डरा रहे है। जनता सब कुछ जानती है।

मोदी ने कहा कि मोदी को तो कांग्रेसी दिनभर गाली देते है,भूपेश बघेल तो केन्द्रीय एजेन्सियों और सुरक्षा बलों को भी गालियां दे रहे है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों से हिसाब करने जनता ने मोदी को दिल्ली में बैठाया है,जिसने गरीब को लूटा है उस पर कार्रवाई होकर रहेंगी। उन्होंने कहा कि महादेव एप और पीएससी घोटाले की भी जांच होगी। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने पर आयोग बनाकर ऐसे सभी घोटालों की जांच होंगी और पैसा लूटने वालों को जेल भेजा जायेंगा। सभा को पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरूण साव ने भी सम्बोधित किया।

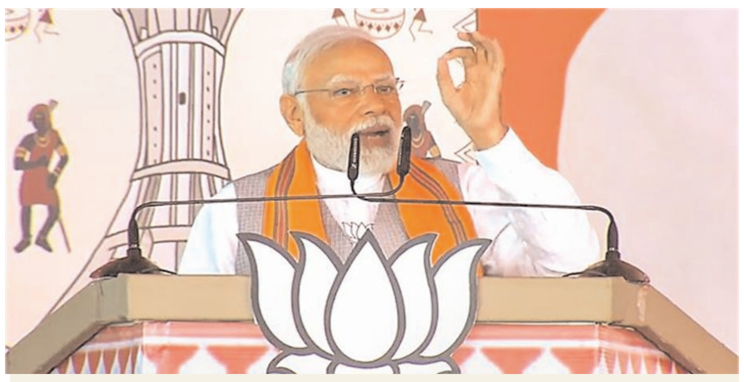

कांग्रेस के दोनों नेताओं के बीच का घमासान अपने-अपने बेटों के भविष्य के लिए : मोदी

रतलाम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व आज राज्य में चुनाव प्रचार का आगाज करते हुए कांग्रेस के प्रदेश के दोनों वरिष्ठ नेताओं कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को बिना नाम लिए आड़े हाथों लिया और कहा कि दोनों के बीच अभी दिख रहा घमासान तो सिर्फ ट्रेलर है और दोनों के बीच की लड़ाई सिर्फ इस बात की है कि किस का बेटा मध्यप्रदेश कांग्रेस पर कब्जा करेगा। मोदी राज्य के रतलाम में रतलाम, धार और उज्जैन के नौ विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भी उपस्थित रहे। श्री मोदी ने ना केवल मध्यप्रदेश बल्कि छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार बनने का दावा किया। अपने संबोधन की शुरुआत में श्री मोदी ने कहा कि रतलाम आएं और यहां का सेव नहीं खाएं तो उसे रतलाम आया नहीं माना जाता। तीन दिसंबर को जब भाजपा सरकार की वापसी का जश्न मनेगा तो लड्डू के साथ रतलामी सेव भी खूब खाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा के समर्थन में चल रही आंधी अद्भुत है।

केरल में बड़ा हादसा

नौसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, एक की मौत

नई दिल्ली। केरल में बड़ी घटना की खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, नियमित प्रशिक्षण के दौरान शनिवार को कोच्चि में भारतीय नौसेना के मुख्यालय आईएनएस गरुड़ के रनवे पर एक चेतक हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। सूत्रों ने बताया कि हादसे में एक शख्स की मौत हो गई। हालांकि, अभी तक नौसेना ने इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बताया गया है कि हेलीकॉप्टर में एक अफसर समेत दो लोग सवार थे। हादसा दोपहर करीब ढाई बजे का है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी थी। इसी दौरान हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। जानकारी के मुताबिक, हेलीकॉप्टर के पायलट को चोटें आई हैं, जबकि साथ में बैठे अफसर की कथित तौर पर मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची केरल पुलिस और सेना की एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही रेस्क्यू ऑपरेशन भी किया जा रहा है।

सांपों की तस्करी मामले में आरोपी एल्विश को कोटा पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद छोड़ा

दिल्ली-एनसीआर। रेव पार्टी में सांप का जहर इस्तेमाल करने के आरोप में नोएडा पुलिस जिस एल्विश यादव को ढूंढ रही है उसे राजस्थान की कोटा ग्रामीण पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद छोड़ दिया। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि कोटा ग्रामीण पुलिस ने एल्विश को डिटेन किया था, लेकिन पूछताछ के बाद छोड़ दिया। उमेश मिश्रा ने कहा कि एल्विश हमारे यहां वांछित इसलिए छोड़ दिया। वहीं अब जानकारी यह आ रही है कि नोएडा पुलिस इस मामले में राजस्थान पुलिस के दावे का खंडन कर रही है।

राजनाथ ने शिवराज सिंह के कार्यों की सराहना की

लोग खुद बोल रहे विकास देखना है तो एमपी में जाना होगा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि अगर कोई व्यक्ति किसी नापाक हरकत को अंजाम देने की कोशिश करता है तो भारत उसे सीमा के इस पार और जरूरत पड़ने पर उस पार भी खत्म कर सकता है। सिंह भिंड जिले की गोहद विधानसभा सीट के अंतर्गत खनेता गांव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार लाल सिंह आर्य के लिए प्रचार करते हुए एक रैली को संबोधित कर रहे थे।

पूरे विश्व में बढ़ रहा भारत का गौरव

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का गौरव पूरे विश्व में बढ़ रहा है। कांग्रेस के शासनकाल में विदेशों में लोग कहते थे कि भारत कमजोर देश है। दुनिया हमारी बातों को बहुत गंभीरता से नहीं लेती थी। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल गई है और अगर भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर कुछ कहता है तो दुनिया कान खोलकर सुनती है। उन्होंने कहा कि अब आपका भारत कोई कमजोर देश नहीं है। दुनिया की कोई भी ताकत भारत को धमकी देने की हिम्मत नहीं कर सकती। सिंह ने कहा, ''अगर कोई किसी नापाक हरकत को अंजाम देने की कोशिश करता है तो भारत उन्हें सीमा के इस तरफ खत्म कर सकता है और जरूरत पड़ने पर सीमा के दूसरी तरफ भी उन पर हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि भिंड जिले में हर पांच परिवार में से एक व्यक्ति सेना में है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे परिवारों का अभिनंदन करना चाहते हैं। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश पहले बीमारू राज्य था लेकिन देश के लोग अब कह रहे हैं कि अगर विकास देखना है तो मध्य प्रदेश जाना होगा।

मंत्री ने कहा कि 2001-02 में मध्य प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय केवल 11,718 रुपये थी और अब 2023 में यह 10 गुना बढ़कर 1.40 लाख रुपये से अधिक हो गई है। उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश की विकास दर भारत के औसत सकल घरेलू उत्पाद से अधिक है। उन्होंने कहा, ''मध्य प्रदेश एकमात्र राज्य है जहां सरकार किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि के तहत वितरित की जाने वाली समान राशि के अलावा अपने खजाने से प्रति वर्ष 6,000 रुपये देती है।

मुकेश अंबानी को धमकी देने वाला शख्स गिरफ्तार, मांगे थे 400 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष मुकेश अंबानी को धमकी भरे ई-मेल भेजे जाने की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने शनिवार को तेलंगाना और गुजरात से दो युवकों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले आठ दिन में अंबानी की कंपनी की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर कम से कम तीन ई-मेल भेजे गए, जिनमें भुगतान नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। अधिकारी ने कहा कि दो युवकों में से एक की पहचान गणेश रमेश वनरापति (19) के रूप में हुई है, जिसे मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने तेलंगाना के वारंगल से पकड़ा। दूसरे व्यक्ति को गुजरात से पकड़ा गया, जिसकी पहचान शादाब खान (21) के रूप में हुई है। प्रथमदृष्टया, वनरापति और खान धमकी भरे ई-मेल भेजने के लिए दो अलग-अलग ई-मेल आईडी का इस्तेमाल कर रहे थे।

एमपी के जगदलपुर में बोले राहुल गांधी

अगर देश मे कोई जात नहीं तो मोदी जी खुद को ओबीसी क्यों कहते हो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल किया है कि यदि वह कहते हैं कि देश में सिर्फ एक ही जाति गरीब है तब वह खुद को बार-बार 'ओबीसी' क्यों कहते हैं? गांधी ने शनिवार को बस्तर जिले के जगदलपुर जिला मुख्यालय में चुनावी रैली को संबोधित करते कहा कि भाजपा के नेता आदिवासियों को वनवासी इसलिए कहते हैं क्योंकि वह आदिवासियों को दिखाना चाहते हैं उनकी जगह कहां होनी चाहिए। राज्य में 90 सीटों के लिए हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए सात और 17 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। कांग्रेस नेता ने आदिवासी बाहुल्य बस्तर जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, आज अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा की हिंदुस्तान में एक ही जाति है। वह हिंदुस्तान का गरीब है। वह कह रहे हैं कि इस देश में ना दलित है, ना आदिवासी है और ना पिछड़े हैं। हम सब जानते हैं कि इस देश में आदिवासी हैं, आदिवासी भाषाएं हैं, आदिवासी संस्कृति हैं और आदिवासी इतिहास है। यहां दलित हैं, दलितों के साथ अपमान किया जाता है, उन्हें हर रोज तंग किया जाता है। पिछड़ों को जो हक मिलना चाहिए वह नहीं मिलता। लेकिन हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री कहते हैं कि हिंदुस्तान में सिर्फ एक जाति है, वह गरीब है। यदि एक ही जाति है तो फिर आप अपने आप को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) क्यों कहते रहते हैं। हर भाषण में क्यों कहते रहते हैं कि मैं ओबीसी हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को दुर्ग जिले में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि उनके लिए देश में सबसे बड़ी जाति गरीब है और वह उनके सेवक हैं। विरोधी राजनीतिक दल गरीबों को बांटने और जातिवाद का जहर फैलाने के लिए नयी-नयी साजिशें रच रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि ''कांग्रेस ने ओबीसी प्रधानमंत्री को गाली दी। कांग्रेस ओबीसी समुदाय को गाली क्यों देती है? यह साहू (छत्तीसगढ़ में एक प्रभावशाली ओबीसी समुदाय) को चोर क्यों कहते हैं। राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के नेता आदिवासियों को वनवासी कहते हैं। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी ने, आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) के लोगों ने और भाजपा नेताओं ने आदिवासियों के लिए नया शब्द निकला है,वनवासी। आदिवासी और वनवासी शब्द में बहुत बड़ा फर्क है..आदिवासी का मतलब है कि जो इस देश के पहले असली मालिक हैं।

कर्नाटक के सीएम ने आम चुनाव-2024 में 20 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा

बंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अगले साल होने वाले संसदीय चुनावों पर चर्चा के लिए शनिवार को मंत्रियों के साथ बैठक की। सिद्धारमैया ने कर्नाटक की 28 लोकसभा सीटों में से कम से कम 20 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। जिन मंत्रियों के मंथन कर सियासी रणनीति बनाई गई इसमें परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी समेत 19 मंत्रियों ने भाग लिया। रेड्डी ने बताया कि सीएम सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कर्नाटक में गंभीर सूखे की स्थिति और केंद्र से कोई सहायता नहीं मिलने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई। कांग्रेस आलाकमान ने इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से कोई बयानबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है। पीटीआई ने पार्टी सूत्रों के हवाले से बताया कि राजधानी बंगलूरू में कांग्रेस नेताओं की बैठक नाश्ते पर चर्चा जैसी थी।

19 मंत्रियों संग बैठक, सीएम बोले- कांग्रेस का लक्ष्य 20 सीटें जीतना

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एक बैठक बुलाई थी, जिसमें 19 मंत्री मौजूद थे। इसका उद्देश्य अगले साल होने वाले संसदीय चुनावों पर चर्चा करना था। सभी चर्चाएं हो चुकी हैं। हमारा लक्ष्य 20 सीटें जीतना है। कर्नाटक सरकार में शामिल मंत्रियों के विवादित बयानों और सार्वजनिक मंच पर पाला बदलने की संभावना पर चर्चा से पैदा हुए भ्रम पर भी रेड्डी ने सवाल का जवाब दिया। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, सीएम और डिप्टी सीएम को लेकर कोई भ्रम नहीं है। आलाकमान ने कहा है कि विकास कार्यों को छोड़कर किसी भी तरह की बात नहीं की जानी चाहिए।

मीडिया को विकास पर सवाल पूछने की नसीहत

उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कुछ दिन पहले कर्नाटक के कांग्रेस नेताओं को इस बारे में नहीं बोलने का निर्देश दिया था, इसलिए सार्वजनिक बयान देने का कोई सवाल ही नहीं है। रेड्डी ने कहा मीडिया को भी ऐसे सवाल नहीं पूछने चाहिए। सवाल केवल विकास के बारे में पूछे जाने चाहिए।

रेड्डी ने कहा कि सीएम सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई बैठक में कर्नाटक के अलग-अलग जिलों में सूखे की स्थिति पर भी चर्चा हुई। मंत्रियों से कहा गया कि सूखे से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। उन्होंने केंद्र सरकार पर कर्नाटक की समस्या की अनदेखी करने और मदद के कोई प्रावधान नहीं करने का आरोप भी लगाया।

केंद्र सरकार ने पैसा जारी नहीं किया, गंभीर संकट में राज्य

सिद्धारमैया सरकार में परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी के अनुसार, सूखे के बावजूद केंद्र ध्यान नहीं दे रहा है। उसने एक पैसा भी जारी नहीं किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय मंत्री वोट मांगने के लिए भीड़ में आ रहे थे, लेकिन अब कोई नहीं आ रहा है, राज्य गंभीर संकट में है।

अगले साल लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के बारे में रेड्डी ने कहा कि इस पर भी चर्चा हुई और सीएम और डिप्टी सीएम बाद में इस बारे में फैसला लेंगे। रेड्डी से जमीनी रिपोर्ट सौंपने के लिए मंत्रियों को कांग्रेस आलाकमान के निर्देश के बारे में सवाल किया गया था।

बोले प्रधान न्यायाधीश

विधायिका कोर्ट के फैसले को खारिज नहीं कर सकती, बल्कि खामी को दूर...

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि विधायिका अदालत के फैसले में खामी को दूर करने के लिए नया कानून लागू कर सकती है, लेकिन उसे सीधे खारिज नहीं कर सकती है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने एक कार्यक्रम में कहा कि न्यायाधीश इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं कि जब वे मुकदमों का फैसला करेंगे तो समाज क्या कहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की निर्वाचित शाखा तथा न्यायपालिका में यही फर्क है।

विधायिका क्या कर सकती है क्या नहीं...

उन्होंने कहा, 'इसकी एक सीमा है कि अदालत का फैसला आने पर विधायिका क्या कर सकती है और क्या नहीं कर सकती है। अगर किसी विशेष मुद्दे पर फैसला दिया जाता है और इसमें कानून में खामी का जिक्र किया जाता है तो विधायिका उस खामी को दूर करने के लिए नया कानून लागू कर सकती है।'

अदालत के फैसले को खारिज नहीं कर सकते

सीजेआई ने कहा, 'विधायिका यह नहीं कह सकती कि हमें लगता है कि फैसला गलत है और इसलिए हम फैसले को खारिज करते हैं। विधायिका किसी भी अदालत के फैसले को सीधे खारिज नहीं कर सकती है।' उन्होंने यह भी कहा कि न्यायाधीश मुकदमों का फैसला करते समय संवैधानिक नैतिकता को ध्यान में रखते हैं, न कि सामाजिक नैतिकता को। इस साल कम से कम 72 हजार मुकदमों का समाधान किया है और अभी डेढ़ महीना बाकी है। न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायपालिका में प्रवेश स्तर पर संरचनात्मक बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि यदि समान अवसर उपलब्ध होंगे तो अधिक महिलाएं न्यायपालिका में आएंगी।

मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे तेजस्वी यादव, अहमदाबाद कोर्ट को दी सूचना

अहमदाबाद। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शनिवार को अहमदाबाद की ट्रायल कोर्ट को सूचित किया कि मानहानि मामले को स्थानांतरित कराने की मांग को लेकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट 6 नवंबर को मामले पर सुनवाई कर सकता है। राजद नेता ने अपने वकील के माध्यम से ट्रायल कोर्ट से मामले में पेशी से छूट देने की मांग की। अहमदाबाद की ट्रायल कोर्ट ने 22 सितंबर को तेजस्वी यादव को मानहानि मामले में समन जारी किया था।

ट्रायल कोर्ट ने टाली सुनवाई

बता दें कि तेजस्वी यादव ने अपने एक बयान में कहा था कि सिर्फ गुजराती ठग हो सकते हैं। इसके विरोध में गुजरात के सामाजिक कार्यकर्ता हरेश मेहता ने तेजस्वी यादव के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

अब तेजस्वी यादव द्वारा इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख करने पर ट्रायल कोर्ट ने मामले की सुनवाई 2 दिसंबर तक टाल दी है। हालांकि हरेश मेहता के वकील ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक इस मामले में कोई निर्देश नहीं दिया है, ऐसे में ट्रायल कोर्ट तेजस्वी यादव की गैरमौजूदगी में भी सुनवाई जारी रख सकती है।

तेजस्वी यादव के खिलाफ हुई थी शिकायत

पेशी की छूट की मांग करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि वह कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं और बिहार के डिप्टी सीएम हैं। दलीलें सुनने के बाद ट्रायल कोर्ट ने सुनवाई को 2 दिसंबर तक टाल दिया। तेजस्वी यादव ने बीते दिनों अपने एक बयान में कहा था कि मौजूदा स्थिति में सिर्फ गुजराती ही ठग हो सकते हैं और उनका अपराध माफ भी कर दिया जाएगा। अगर वह देश से फरार भी हो जाएं तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? इस बयान के खिलाफ हरेश मेहता ने मानहानि की शिकायत की। जिसमें कहा गया कि पूरे गुजरातियों को ठग कहकर उनका अपमान किया गया है। हरेश मेहता ने इस मामले में तेजस्वी यादव को सजा देने की मांग की है।

अलुवा दुष्कर्म और हत्या मामले के आरोपी को 99 दिन बाद ठहराया दोषी

कोच्चि। केरल के कोच्चि शहर की एक विशेष पॉस्को अदालत ने बिहार की पांच वर्षीय लड़की के साथ अलुवा इलाके में दुष्कर्म और हत्या मामले के एकमात्र आरोपी को दोषी ठहराया। विशेष पॉस्को (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अदालत के न्यायाधीश के. सोमन ने बिहार के एक प्रवासी मजदूर अशफाक आलम को इस मामले में दोषी पाया। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी को सभी अपराधों के लिए दोषी पाया गया। उन्होंने कहा कि नौ नवंबर को सजा सुनाई जाएगी। बता दें, घटना के 99 दिन बाद सजा सुनाई गई है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 28 जुलाई को आरोपी आलम ने पांच वर्षीय लड़की का अपहरण कर लिया था और फिर उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई थी। बाद में बच्ची का शव 29 जुलाई को पास के अलुवा इलाके में एक बोरे में पाया गया था।

भूटान के राजा असम के काजीरंगा पहुंचे; सीएम सरमा से की मुलाकात

नई दिल्ली। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक शनिवार को असम के काजीरंगा में आईओआरए रिट्रीट पहुंचे। असम के पर्यावरण और वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी और असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उनकी अगवानी की। भूटान नरेश ने शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के साथ बैठक की। आपसी सम्मान और साझा दृष्टिकोण की विशेषता वाली इस बैठक ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच गहरे संबंधों को प्रदर्शित किया। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, मुझे गुवाहाटी में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मिलने का सौभाग्य मिला। हमें महामहिम के दृष्टिकोण से बहुत लाभ हुआ है। मैंने माननीय प्रधानमंत्री के नेबरहुड फर्स्ट के सिद्धांत को मजबूत करने के लिए अपने लोगों के बीच उत्साह से अवगत कराया। दोनों नेताओं ने बुनियादी ढांचे में साझेदारी, स्वास्थ्य सेवा में सहयोग, साझा आध्यात्मिक विरासत और लोगों से लोगों के बीच संबंधों पर भी चर्चा की।

शुक्रवार को भारत पहुंचे हैं भूटान नरेश

भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक शुक्रवार को भारत पहुंचे और उन्होंने असम के अपने तीन दिवसीय दौरे की शुरुआत गुवाहाटी में नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित कामाख्या मंदिर के दर्शन के साथ की। पारंपरिक बौद्ध पीले वस्त्र पहने राजा ने गर्भगृह में प्रार्थना की और देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के अलावा मिट्टी के दीपक जलाने के अलावा मंदिर की परिक्रमा की। अधिकारियों ने शाही आगंतुक को कामाख्या मंदिर की एक प्रतिकृति भेंट की। यहां लोकप्रिय गोपीनाथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने उनकी अगवानी की। सरमा ने पारंपरिक असमी गमोसा (स्कार्फ) के साथ राजा का स्वागत किया। शाही आगंतुक ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। राजा वांगचुक के साथ भूटान की शाही सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी हैं।

हिमाचल में जेबीटी के भरें जाएंगे 108 पद: कुमार

शिमला। प्रारम्भिक शिक्षा विभाग ज़िला सोलन के माध्यम से जे.बी.टी के 108 पदों पर बैचवाइज एवं अनुबंध आधार पर भर्ती की जाएगी। यह जानकारी उप निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा सोलन संजीव कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि इन पदों के लिए काउन्सलिंग 22 नवंबर, 2023 को प्रातः 10.30 बजे ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सोलन (डाईट) के कार्यालय में होगी। उप निदेशक ने कहा कि इस चयन प्रक्रिया में वही उम्मीदवार भाग ले पाएंगे जो जे.बी.टी भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2017 तथा अब तक राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद द्वारा जारी अधिसूचनाओं के तहत निर्धारित योग्यता पूर्ण करते हों। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार जे.बी.टी शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी) उत्तीर्ण होने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस काउंसलिंग प्रक्रिया में ज़िला सोलन से सम्बन्धित उम्मीदवार भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार को हिमाचली प्रमाण पत्र के स्थाई पते के अनुसार ही चयन प्रक्रिया उस ज़िला में मान्यता दी जाएगी। उम्मीदवार में अपने गृह ज़िला में भाग लेकर अन्य किसी भी ज़िला के लिए प्राथमिकता दे सकता है। उन्होंने कहा कि अन्य ज़िलों से सोलन ज़िला में काउंसलिंग में भाग लेने वाले उम्मीदवारों पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस काउंसलिंग में कुल 108 पद बैचवाइज भर्ती के माध्यम से अनुबंध आधार पर भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि 31 दिसम्बर, 2016 तक के बैच से अनारक्षित श्रेणी के 37 और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के 13 पद भरे जाएंगे। इससे पहले 31 दिसम्बर, 2020 तक के बैच से सामान्य (स्वतत्रंता सेनानियों के आश्रित) वर्ग से एक तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (स्वतत्रंता सेनानियों के आश्रित) वर्ग से एक पद भरा जाएगा।

उन्होंने कहा कि 31 दिसम्बर, 2016 तक के बैच से अनुसूचित जाति (अनारक्षित) वर्ग के 21, अनुसूचित जाति (बी.पी.एल) वर्ग से पांच, अनुसूचित जनजाति (अनारक्षित) वर्ग से पांच, अनुसूचित जनजाति (बी.पी.एल) वर्ग से दो, अन्य पिछड़ा वर्ग (अनारक्षित) से 17 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (बी.पी.एल) से पांच पद भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि 31 दिसम्बर, 2021 तक के बैच से अनुसूचित जाति (स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रित) वर्ग से एक पद भरा जाएगा। श्री कुमार ने कहा कि काउन्सलिंग के लिए उम्मीदवार 10वीं एवं 12वीं या इसके समकक्ष योग्यता प्रमाणपत्र, आवश्यक योग्यता प्रमाण पत्र, जे.बी.टी टेट प्रमाण पत्र, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अधिकृत सक्षम अधिकारी से जारी जाति प्रमाण पत्र, हिमाचली प्रमाण पत्र एवं चरित्र प्रमाण पत्र, नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटा (1), रोज़गार कार्यालय का पंजीकरण पत्र तथा खण्ड विकास अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित बी.पी.एल प्रमाण पत्र अपने साथ लाएं। उम्मीदवार अपने साथ शैक्षणिक एवं व्यावसायिक प्रमाण पत्र भी लाएं। काउंसलिंग से सम्बन्धित अधिक जानकारी कार्यालय वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है।

पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्रा को 15 साल की सजा, सिंगर से रेप मामले में कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। भदोही के ज्ञानपुर से चार बार विधायक रह चुके गैंगस्टर विजय मिश्रा को एक गायिका से कई बार दुष्कर्म करने के जुर्म में एक एम.पी./एम.एल.ए. अदालत ने शनिवार को 15 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधीश सुबोध सिंह की अदालत ने दोषी विजय मिश्रा पर 1,10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। विजय मिश्रा, भदोही की ज्ञानपुर सीट से सपा के टिकट पर तीन बार और निषाद पार्टी के टिकट पर एक बार विधायक रह चुका है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, सत्तर वर्षीय विजय मिश्रा की बेटी सीमा मिश्रा ने 2014 में सपा के टिकट पर भदोही लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। उसी दौरान, वाराणसी की एक गायिका को एक कार्यक्रम के लिए विजय मिश्रा ने अपने घर बुलाया था और उसके साथ दुष्कर्म किया। अभियोजन पक्ष ने कहा कि संगीत कार्यक्रम के बाद विजय मिश्रा ने अपने बेटे विष्णु मिश्रा और एक रिश्तेदार विकास मिश्रा को गायिका को वाहन से वाराणसी छोड़ने को कहा जिस पर इन दोनों ने भी रास्ते में एक कमरे में उसके साथ दुष्कर्म किया। विजय मिश्रा ने उसी गायिका से वाराणसी, भदोही और प्रयागराज में कई बार दुष्कर्म किया और वीडियो काल पर उससे अश्लील बातें की जिससे तंग आकर गायिका वाराणसी छोड़कर मुंबई चली गई। जिला शासकीय अधिवक्ता दिनेश कुमार पांडेय ने बताया कि विजय मिश्रा ने प्रयागराज आकर अपने जिस रिश्तेदार के घर पर शरण लेकर राजनीति शुरू की, उसी रिश्तेदार कृष्ण मोहन तिवारी की संपत्ति और फर्म पर कब्ज़ा कर उसे अपने बेटे विष्णु मिश्रा के नाम पर करने के मामले में तिवारी ने विजय मिश्रा और उनके परिवार वालों के खिलाफ गोपीगंज थाना में मुकदमा दर्ज कराया।

एक बार फिर बीएसएफ ने बार्डर से बरामद किया ड्रोन

पंजाब डेस्क। बी.एस.एफ. ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर से एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। उन्होंने बताया कि यह ज्वाइंट तलाशी ऑप्रेशन विशिष्ट खुफिया इनपुट के बाद शुरू किया गया।

कोटा संभाग में भाजपा और कांग्रेस ने चुनाव में पुराने चेहरों पर ही लगाया दांव

कोटा। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में कोटा संभाग की 17 विधानसभा सीटों में सत्तारुढ़ कांग्रेस एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अधिकतर पुराने चेहरों पर ही दांव खेला है।

संभाग में अब तक कांगेस ने 10 और भाजपा ने 14 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर चुकी है और कोटा जिले में कांग्रेस ने सांगोद में तो भाजपा ने बारां-अटरू विधानसभा सीट पर नए चेहरे पर दांव खेला है जबकि अन्य सीटों पर दोनों राजनीतिक दलों ने पुराने उम्मीदवारों को ही मैदान में उतरा है।

कोटा जिले में अब तक कांग्रेस ने केवल सांगोद विधनासभा सीट पर ही अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा की है और यहां पार्टी ने अपना प्रत्याशी भी बदला है। वर्तमान में यहां से भरत सिंह कुंदनपुर कांग्रेस के विधायक हैं जिनके इस बार चुनाव लड़ने से इनकार करने के बाद पार्टी ने देहात कांग्रेस अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह नरूका को अपना प्रत्याशी बनाया है जो पहली बार इस विधानसभा सीट से अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

भाजपा कोटा जिले में कोटा उत्तर और पीपल्दा को छोड़कर सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर चुकी है और सभी चार सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने इस बार भी उन्हीं प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है जो पिछली बार विधानसभा चुनाव में लड़े थे। इनमें कोटा दक्षिण से संदीप शर्मा, लाडपुरा से कल्पना देवी रामगंजमंडी से मदन दिलावर, सांगोद से हीरा लाल नागर को चुनाव मैदान में उतारा है। इनमें से हीरालाल नागर को छोड़कर शेष तीनों अपने क्षेत्रों से भाजपा के निर्वाचित प्रतिनिधि है। कोटा दक्षिण से पिछली बार भी संदीप शर्मा ही भाजपा के विधायक चुने गए थे जिन्होंने कांग्रेस की श्रीमती राखी गौतम को चुनाव हराया।

कोटा उत्तर से अभी दोनों प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के नाम तय होने बाकी हैं। लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने एक बार फ़िर श्रीमती कल्पना देवी को अपना प्रत्याशी बनाया है जो पिछले चुनाव में भी भाजपा के टिकट पर लड़कर चुनाव जीती थी जिन्होंने श्रीमती गुलनाज गुड्डू को हराया था। इसके पहले के दो चुनाव उनके पति नईमुद्दीन गुड्डू यहां से लड़कर हार चुके हैं। वर्ष 2018 के चुनाव से पहले लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र में तीन बार लगातार वर्ष 2003 से भाजपा के भवानी सिंह राजावत चुने गए जिन्होंने पहली बार 2003 में कांग्रेस की पूनम गोयल को हराया तो लगातार दो बार कांग्रेस के नईमुद्दीन गुड्डू को चुनाव हराया था। पिछला चुनाव नईमुद्दीन गुड्डू की जगह कांग्रेस ने उनकी पत्नी गुलनाज गुड्डू को लड़ाया और वह भी चुनाव हार गई।

बेटे की चाहत...डेढ़ साल की बच्ची की बलि!

गोंडा। आज के दौर में अंधविश्वास, तंत्र-मंत्र, चमत्कार जैसी चीजों पर भरोसा करना एक हद तक अपनी अज्ञानता को बढ़ावा देना है, लेकिन फिर भी कई लोग अंधविश्वास के इस काले घेरे में घिरते जा रहे हैं। ताजा मामला गोंडा का है। जहां बेटे की चाहत ने एक व्यक्ति को हैवान बना दिया। व्यक्ति ने तंत्र-मंत्र के चक्कर में 22 महीने की मासूम बच्ची की बलि दी और शव को गन्ने के खेत में फेंक दिया। डेढ़ महीने बाद इस अपराध का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी तांत्रिक पति-पत्नी, बच्ची की हत्या करने वाले व्यक्ति और उसकी साली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वारदात खोड़ारे थाना क्षेत्र के केशव नगर ग्रंट गांव की है। यहां बीते 16 सितंबर को गांव के एक घर से अचानक एक बच्ची गायब हो गई। दो दिन बाद 18 सितंबर को उसका शव सड़क के किनारे गन्ने के खेत में पड़ा मिला। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच-पड़ताल में जुट गई। जांच के दौरान पता चला कि अलगू नमक व्यक्ति ने अपनी साली प्रियंका के कहने पर 22 महीने की मासूम बच्ची की जान ली है। इसी गांव का रहने वाला तांत्रिक महंगी और उसकी पत्नी जोखना झाड़-फूंक का काम करते थे। दोनों अलगू से कहते थे कि तुम्हारी पत्नी पर ऊपरी बाधा है। इसी वजह से बेटा पैदा नहीं हो रहा है। इस काम में अलगू की साली प्रियंका उर्फ प्रीति तांत्रिक का साथ देती थी और अलगू को उकसाती थी। इन्हीं लोगों ने अलगू से पड़ोसी की 22 महीने की मासूम बच्ची की बलि देने के लिए कहा। बेटे की चाह में पागल अलगू ने मासूम बच्ची का गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी तांत्रिक पति-पत्नी, बच्ची की हत्या करने वाले व्यक्ति और उसकी साली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस इस मामले की कार्रवाई में जुट गई है।

हर घर नर्मदा जल पहुंचाने के लिए नरेला विधानसभा में लगे धन्यवाद विश्वास सारंग के बड़े-बड़े पोस्टर

नरेला में रहवासियों ने विश्वास सारंग को नर्मदा जल पिलाकर स्वागत और धन्यवाद दिया

भोपाल। एक समय था जब नरेला विधानसभा में पीने के पानी की बहुत ज्यादा किल्लत हुआ करती थी। रहवासी टेंकारों के माध्यम से पीने का पानी बुलाया करते थे। लेकिन अब नरेला विधानसभा के हर घर में नर्मदा का जल पहुंच रहा है। यहां के रहवासियों को अब पीने के पानी की कोई कमी नहीं है। इसी को लेकर यहां के रहवासियों ने क्षेत्र के विधायक विश्वास सारंग का आभार प्रकट किया और सभी ने अपने घरों की दिवाली पर पोस्टर लगरा कर विश्वास सारंग को धन्यवाद दिया।

दरअसल मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए शनिवार को विश्वास सारंग नरेला विधानसभा के वार्ड क्रमांक 70 में पहुंचे थे। जैसे ही सारंग वहां पहुंचे रहवासियों ने जम कर विश्वास सारंग के नारे लगाए और अपने क्षेत्र में हुए रिकॉर्ड तोड़ विकास के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। नर्मदा जल घर-घर तक पहुंचाने का धन्यवाद देने के लिए हर एक रहवासी ने अपने घर के बाहर दीवाल पर विश्वास सारंग के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए, जिस पर लिखा था हर घर में नर्मदा मैया धन्यवाद विश्वास भैया।

रहवासियों ने ये कहा

वार्ड 70 की सपना बैन ने विश्वास सारंग को नर्मदा का जल पीला कर उनका स्वागत किया और धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने कहा की पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पहले हमारे क्षेत्र में पीने के पानी की बहुत ज्यादा समस्या थी, लेकिन विश्वास सारंग ने हर घर में नर्मदा मैया का जल पहुंचा कर हमारे पीने के पानी समस्या को दूर किया है, इसके लिए हम उनका बहुत धन्यवाद देते है। सपना बैन का कहना है की, विश्वास सारंग ने नरेला में इतना विकास किया है की उन्हें क्षेत्र में प्रचार करने जाने की भी जरुरत नहीं है। हर वर्ग का वोटर उनके साथ है। वार्ड 70 की ही सुषमा चौहान का कहना है की, प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा पुण्य और कुछ नहीं होता। पहले हम टेंकारों के माध्यम से पीने का पानी बुलाते थे, लेकिन हमारे क्षेत्र के विधायक विश्वास सारंग ने हर घर में नाल के माध्यम से नर्मदा जल पहुंचा कर क्षेत्र की पीने के पानी की समस्या को दूर किया है। सुषमा चौहान ने कहा की, विश्वास सारंग ने नरेला में विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी है।

नरेला में पीने के पानी की अब कोई भी दिक्कत नहीं : सारंग

इस दौरान विश्वास सारंग ने कहा, आज हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि नरेला के एक-एक घर में हमने नर्मदा का जल पहुंचा है। नरेला विधानसभा में पहले पानी की बहुत परेशानी थी। अब पीने के पानी की कोई भी दिक्कत नरेला विधानसभा में नहीं है। सारंग ने कहा, नर्मदा मैया का आशीर्वाद तो मिल ही रहा है, उसके साथ ही प्यास कंठों की प्यास भी बुझ रही है।

वार्ड 69 और 70 में जनसंपर्क किया

बतादें, नरेला से भाजपा के उम्मीदवार विश्वास सारंग लगातारा घर-घर जनसंपर्क कर लोगों से जीत का आशीर्वाद ले रहें है। सारंग अपने जनसंपर्क का पहला फेज ख़त्म कर चुके है। दूसरे फेज में वो उन इलाकों में जा रहे है जो पहले फेज में छुठ गए थे। शनिवार को उन्होंने वार्ड 69 और 70 में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्हें भारी जनसंमर्थन मिला। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई उनका स्वागत करता दिखा। महिलाओं ने उनकी आरती उतार कर तिलक लगाया और क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरना विश्वास सारंग ने सभी बुजुर्गों के पैर छू कर जीत का आशीर्वाद लिया।

हिंदू-मुस्लिम समीकरण वाली सीट पर सबकी निगाह

त्रिशूल-डमरू के साथ प्रचार में उतरे आलोक शर्मा

भोपाल। भोपाल की उत्तर विधानसभा सीट पर उम्मीदवारों का प्रचार जारी है। बीजेपी प्रत्याशी आलोक शर्मा का यहां अलग ही रूप देखने को मिल रहा है। वे सर पर मारवाड़ी टोपी, हाथ में त्रिशूल, डमरू लेकर चलते दिखाई दिए। ढोल-ताशे के साथ वे अपना प्रचार कर रहे हैं। हिंदू-मुस्लिम समीकरण वाली इस सीट पर सबकी निगाहें हैं। प्रदेश की सबसे चर्चित और हॉट विधानसभा सीट में से एक भोपाल की उत्तर विधानसभा सीट पर कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। भाजपा के आलोक शर्मा यहां भगवा रंग और सनातन के सहारे दिखाई दे रहे हैं। भगवान शिव का त्रिशूल और डमरू लेकर वे प्रचार मैदान में उतरे हैं। शनिवार को टीला रामपुरा भगत सिंह क्षेत्र में प्रचार के दौरान आलोक पूरी भजन मंडली के साथ दिखाई दिए। इस दौरान महिलाएं भी उनके साथ बड़ी संख्या के नजर आई। भाजपा ने इस बार आलोक शर्मा पर दांव खेला है। आलोक पूर्व में भोपाल महापौर भी रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी चुनाव प्रचार की शुरुआत इसी सीट से की थी। उन्होंने अपना पहला रोड शो और जनसभा यहीं की थी। कांग्रेस की कब्जे वाली इस सीट पर भाजपा लंबे समय से जीतने का प्रयास कर रही है, लेकिन उसे अभी तक सफलता हासिल नहीं हो पाई है। कांग्रेस ने इस बार वर्तमान विधायक आरिफ अकील की जगह उनके बेटे आतिफ अकील को टिकट दिया है। ऐसे में भाजपा की उम्मीदें बढ़ गई हैं। दूसरी ओर कांग्रेस से ही दो बागी भी यहां से निर्दलीय के तौर पर मैदान में हैं। आतिफ अकील के चाचा आमिर अकील यहां से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इसके साथ ही नासिर इस्लाम भी यहां से निर्दलीय उम्मीदवार बनकर कांग्रेस की मुश्किलें बड़ा रहे हैं। आम आदमी पार्टी मोहम्मद सऊद को प्रत्याशी बनाया है।

चुनाव में लेटर पॉलिटिक्स, पीएम मोदी के बाद अब कमलनाथ ने लिखा पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में लेटर पॉलिटिक्स शुरू हो गई है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ का पत्र सामने आया है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने प्रदेश की महिला वोटरों को पत्र लिखकर साधने का प्रयास किया है।

प्रदेश की बहनों के नाम लिखे इस खत में नाथ ने कांग्रेस सरकार बनते ही 1 जनवरी 2024 से नारी सम्मान योजना के तहत बहनों को 1500 रुपये देने की बात कही गई है। पत्र में नाथ ने लिखा है कि सबसे पहले नारी सम्मान योजना के आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। साथ ही उन्होंने बहनों से ये वादा भी किया है कि 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिया जायेगा।100 रुपये 100 यूनिट बिजली बिल, 200 यूनिट पर हाफ बिजली बिल का वादा भी पत्र में कमलनाथ ने किया है। उन्होंने अपने पत्र के माध्यम से कांग्रेस का वचन पत्र पढ़ने की भी जनता से की अपील की है।

घर घर पहुंचाए जाएंगे पत्र

कमलनाथ के इस पत्र को कांग्रेस मतदाताओं के घर-घर तक पहुंचाएगी। इतना ही नहीं कांग्रेस वर्कर महिलाओं को यह पत्र उनके घर पहुंच कर पढ़कर सुनाएंगे। उन्हें बताया जाएगा कि उनके भाई कमलनाथ ने उनके लिए क्या-क्या वचन दिए हैं। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पार्टी सामने आई थी जिसमें उन्होंने डबल इंजन सरकार की बात करते हुए मोदी सरकार के नाम पर वोट देने की अपील की थी। भाजपा भी पीएम के इस पत्र को घर घर पहुंचा रही है। अब चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि जनता को किस का पत्र ज्यादा पसंद आया।

समर्थकों सहित जगदीश सिंह मीणा ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने दिलाई सदस्यता

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश भाजपा सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर सेवा निवृत्त आरटीओ एवं मध्यप्रदेश सर्व मीणा समाज के अध्यक्ष श्री जगदीश सिंह मीणा ने समर्थकों के साथ केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी के समक्ष शनिवार को बंसल वन स्थित भाजपा मीडिया सेंटर में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने जगदीश सिंह मीणा एवं समर्थकों को अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया।

जगदीश सिंह मीणा और समर्थकों का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जगदीश सिंह मीणा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की नीतियों से प्रभावित होकर और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की महिला कल्याण की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। यादव ने कहा कि 32 विधानसभाओं में संगठन समाजसेवा के क्षेत्र में लंबे समय से काम कर रहा है। जगदीश मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश सरकार की महिला सशक्तिकरण की नीतियों से प्रभावित होकर मैंने और समर्थकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। विधानसभा चुनाव में हम पूरी कोशिश कर भाजपा को जिताने का प्रयास करेंगे।

मीणा के साथ सरपंच शिवराज मीणा, पूर्व जनपद सदस्य देवेंद्र मीणा, पूर्व सरपंच राजेंद्र मीणा, पूर्व सरपंच कैलाश मीणा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य फूल सिंह मीणा, कैलाश मीणा, हनुमंत मीणा और मुरारीलाल मीणा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी एवं डॉ. दुर्गेश केसवानी भी उपस्थित रहे।

भाजपा की मीडिया टीम नवाचार के साथ काम कर रही : विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश दुनिया में हमेशा अभिनव और नवाचार के लिए जानी जाती है। पार्टी का मध्यप्रदेश मीडिया विभाग लगातार नवाचार के साथ काम कर रहा है, आज उसी कड़ी में मीडिया विभाग ने विधानसभा चुनाव 2023 की दृष्टी से मीडिया बंधुओ के लिए मीडिया दिग्दिर्शिका विजय संकल्प अभियान 2023 (मीडिया हैंडबुक) तैयार की है। जिसमें पार्टी प्रत्याशियों की जानकारी के साथ भाजपा संगठन की जानकारी और केंद्र और राज्य सरकार के विकास कार्यों की जानकारी भी समाहित की गयी है। यह मीडिया हैंडबुक चुनाव में मीडिया बंधुओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद विष्णुदत्त शर्मा और रेल मंत्री व प्रदेश चुनाव सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव ने मीडिया विभाग की मीडिया दिग्दिर्शिका विजय संकल्प अभियान 2023 का विमोचन करते हुए कही। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री केके शर्मा, श्री प्रेम शुक्ला, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल, उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी, प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी मंचासीन थे। कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया प्रभारी अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर प्रदेश अध्यक्ष और रेल मंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता मिलन भार्गव, अजय धवले, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगलकिशोर शर्मा, श्रीमती क्षमा त्रिपाठी, मीडिया पेनलिस्ट सचिन वर्मा, शिवम शुक्ला, श्रीमती गुंजन चौकसे, श्रीमती वंदना मार्तण्ड त्रिपाठी, श्रीमती मंजरी जैन, मीडिया विभाग के सदस्य सत्येन्द्र जैन उपस्थित थे।

नवाचार के साथ काम कर रही मीडिया टीम

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हमारे मीडिया विभाग की पूरी टीम प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल जी के नेतृत्व में अभिनव और नवाचार के साथ काम कर रही है। मैं मीडिया दिग्दिर्शिका विजय संकल्प अभियान 2023 के प्रकाशन के लिए मीडिया टीम को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि इस मीडिया दिग्दिर्शिका में सभी को पार्टी प्रत्याशियों की जानकारी तो मिलेगी ही साथ ही भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश की संगठनात्मक जानकारी और केंद्र और राज्य सरकार के विकास कार्यों की जानकारी भी प्रकाशित की गयी है।

फिल्म से पुलिस सीख रही चुनाव ड्यूटी, अफसर खुद बने अभिनेता, 20 दिन में हुई तैयार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में पुलिस कैसे ड्यूटी करें। इसकी ट्रेनिंग देने के लिए एक फिल्म तैयार की गई है। इसे खुद पुलिस अकादमी के अधिकारियों ने तैयार किया है। 20 दिन में बनी इस फिल्म में अभिनय भी पुलिसकर्मियों ने ही किया है। दरअसल, आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में रवींद्र भवन में पुलिस का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पुलिसकर्मियों को 'सजग रहो तुम' चुनाव आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से चुनाव संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने सभी अधिकारी कर्मचारियों को ब्रीफ किया। साथ ही चुनाव ड्यूटी सजगता और संवेदनशीलता से करने तथा शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हुए नगर रक्षा समिति का सहयोग लेने के लिए बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगरीय पुलिस भोपाल के अधिकारी कर्मचारियों के साथ-साथ केंद्रीय सशस्त्र बल के जवान भी शामिल हुए।

पुलिस ने ही तैयार की फिल्म

पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देने के लिए बनाई गई है। यह फिल्म पुलिस विभाग ने खुद तैयार की है। इसमें सभी किरदार पुलिस अकादमी के पुलिसकर्मियों ने ही निभाए हैं। मुख्य भूमिका पुलिस अधिकारी मलय जैन ने अदा की है। इसके साथ ही महिला अफसर श्रद्धा जोशी ने भी फिल्म में विशेष किरदार निभाया है। अन्य बाकी कई किरदार भी पुलिसकर्मियों ने ही निभाए हैं। फिल्म के कई मुख्य दृश्य फिल्म अकादमी में ही फिल्माए गए हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण के लिए रिफ्रेशर के तौर पर बनाई गई यह फिल्म 20 दिनों में तैयार हुई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण अनुराधा शंकर की उपस्थिति में इस फिल्म को रिलीज किया गया है। फिल्म को रीलीज किए जाने के बाद अब तक यूट्यूब पर हजारों लोग देख चुके हैं। दो दिन में ही यह संख्या 25 हजार के पार पहुंच गई है।

छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सत्ता में रहकर सट्टे का बड़ा खेल खेला

भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के विकास को बेटिंग पर डाल दिया

भोपाल। भाजपा शुरू से ही कहती आयी है कि महादेव एप्प स्कैंडल को छत्तीसगढ़ की बघेल सरकार का समर्थन प्राप्त था, जिसके कारण छत्तीसगढ की कांग्रेस सरकार ने आज तक सही से इसकी जांच नहीं की। ईडी की जांच में यह खुलासा हो गया है कि कांग्रेस की बघेल सरकार का साइड बिजनेस ही बेटिंग था। भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के विकास को बेटिंग पर डाल दिया। छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सत्ता में रहकर सट्टे का बड़ा खेल खेला। सत्ता में रहते हुए सट्टा कारोबार में रहना छत्तीसगढ में कांग्रेस की हकीकत है। कल भूपेश बघेल के खिलाफ कुछ चौकानें वाले तथ्य सामने आए है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि बेटिंग एप के प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नियमित भुगतान किया गया है और अब तक कुल 508 करोड रूपए दिए गए है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने बसंल वन स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही।

विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि 2 नवंबर 2023 को ईडी को खुफिया जानकारी मिली कि 7 और 17 नवंबर 2023 को होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर महादेव एप के प्रमोटरों द्वारा छत्तीसगढ में बडी मात्रा में नकदी ले जायी जा रही है। ईडी ने होटल ट्राइटन और एक अन्य स्थान पर तलाशी ली। भिलाई और सत्तारूढ कांग्रेस पार्टी के चुनावी खर्चो के लिए बडी मात्रा में नकदी पहुंचाने के लिए खास तौर पर संयुक्त अरब अमीरात से भेजे गए कैश कूरियन असीम दास को डिटेन किया गया। ईडी ने 5.39 करोड रूपए की नकद राशि असीम दास की कार और उनके आवास से बरामद की है। असीम दास ने स्वीकार किया है कि जप्त की गई धनराशि महादेव ऐप प्रमोटरों द्वारा छत्तीसगढ राज्य में आगामी चुनाव खर्चो के लिए एक राजनेता बघेल को देने की व्यवस्था की गयी थी।

शर्मा ने कहा कि ईडी ने महादेव एप के कुछ बेनामी बैंक खातों का भी पता लगाया है जिनमें 15.59 करोड रूपए की शेष राशि फ्रीज कर दी गयी है। ईडी ने असीम दास को गिरफ्तार कर लिया है। इस सट्टेबाजी सिंडीकेट के प्रमोटर्स विदेश में बैठे है और अपने दोस्तों और सहयोगियों की मदद से भारत भर में हजारों पैनल चला रहे है, जो खासकर छत्तीसगढ से है और उन्होंने इससे हजारों करोड रूपए कमाए है। उन्होंने कहा कि ईडी ने पहले ही 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और 450 करोड रूपये से अधिक की अपराधिक आय जप्त कर ली है। इस मामले में 14 आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष ने पूछे छतीसगढ़ मुख्यमंत्री से सवाल

प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने सवाल करते हुए कहा क्या यह सत्य है कि छत्तीसगढ में कांग्रेस नेताओं को शुभम सोनी के माध्यम से असीम दास पैसा पहुंचाते थे।

क्या यह सत्य है कि असीम दास को एक वाइस मैसेज से यह आदेश दिया गया कि वो रायपुर जाए और भूपेश बघेल को चुनाव खर्च के लिए पैसा दें। श्री शर्मा ने पूछा कि क्या यह सच है कि 2 नवंबर को होटल टाइन में असीम दास से पैसा बरामद हुआ है। क्या यह सच है कि अलग अलग बैंक एकाउंट से 15 करोड रूपए के पीएमएलए के तहत फ्रीज किया गया है। क्या यह सत्य है कि असीम दास नामक एक व्यक्ति से 5.30 करोड रूपए से ज्यादा पैसा बरामद हुआ है।

संपादकीय

चुनावी बॉन्ड का भविष्य

सुप्रीम कोर्ट में चल रहे इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े अहम मामले में गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, लेकिन सुनवाई के दौरान जिस तरह से इस मसले के अलग-अलग पहलू उभरे वह भी काफी महत्वपूर्ण है। इस दौरान न केवल चुनावी फंडिंग से बल्कि डोनेशन देने वाली कंपनियों, डोनेशन पाने वाले दलों और इन राजनीतिक दलों को अपने वोट से चुनने वाले वोटरों के अधिकारों से भी जुड़ी अलग-अलग राय सामने आई। यह सवाल उठा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मसले पर विचार करने का अधिकार है भी या नहीं। अदालत ने साफ किया कि चुनावी फंडिंग का जो फॉर्मैट कार्यपालिका ने बनाया है, वह संविधान की कसौटियों पर खरा उतरता है या नहीं, यह देखना उसकी जिम्मेदारी है और इसी सवाल पर वह विचार करेगी। अगर उसमें कमी पाई जाती है तो उसे कैसे ठीक किया जाए या उसकी जगह कोई दूसरा फॉर्मैट लाना है तो वह कैसा हो और कैसे आए, यह देखना सरकार का काम होगा। सुनवाई के दौरान यह बात बार-बार कही गई कि चुनावी बॉन्ड से जुड़ा कानून लाने के पीछे मंशा अच्छी थी। इस पर किसी पक्ष ने आपत्ति भी नहीं की। बावजूद इसके, फंडिंग के इस तरीके में कई तरह की दिक्कतों की बात सामने आई। भले ही कानून लाने के पीछे कैश डोनेशन रोकने और फर्जी कंपनियों के डोनेशन पर लगाम लगाने का इरादा रहा हो, लेकिन व्यवहार में हो यह रहा है कि डोनेशन से जुड़े डीटेल्स तक सिर्फ सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की पहुंच होती है किसी और की नहीं। इसका परिणाम यह देखा जा रहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड का तकरीबन सारा हिस्सा सत्तारूढ़ दलों को जाता है और बाकी पार्टियों को नाम मात्र का हिस्सा मिलता है। इस धारणा की पुष्टि के लिए हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए मिले फंड का ब्योरा पेश करने को कहा है, लेकिन यहां दो सवाल उभरते हैं। पहला यह कि कहीं इससे विभिन्न राजनीतिक दलों के समानता के अधिकार की धज्जियां तो नहीं उड़ रहीं और दूसरा, कहीं यह रिश्वत को लीगलाइज करने का तरीका तो नहीं बन गया है। एक अहम पहलू यह भी सामने आया कि अपने डोनेशन को गोपनीय रखने का कंपनियों का अधिकार ज्यादा महत्वपूर्ण है या राजनीतिक दलों को मिल रही फंडिंग का सोर्स जानने का आम नागरिकों और वोटरों का हक। इस मसले से जुड़े इन तमाम पहलुओं पर सुप्रीम कोर्ट आखिरकार क्या रुख अपनाता है यह तो उसके फैसले से ही पता चलेगा, लेकिन फिलहाल यह उम्मीद जरूर की जा सकती है कि कोर्ट का आदेश आने वाले दिनों में चुनावी फंडिंग का स्वरूप तय करने के साथ ही चुनाव सुधारों को भी नई दिशा देने का काम करेगा।

विपक्ष की ओबीसी सियासत की काट है क्या बीजेपी के पास

संजय सक्सेना

लोकसभा चुनाव के लिए जातीय जनगणना और ओबीसी वोटर एक-दूसरे के पूरक बन गये है.एक तरफ गैर बीजेपी दल ओबीसी वोटरों को रिझाने के लिए जातीय जनगणना कराये जाने के लिए मोदी सरकार पर दबाव डाल रहे हैं,वहीं इसकी काट के लिए बीजेपी ओबीसी नेताओं की अपने वहां फौज खड़ी करने में लगी है.अब तो बीजेपी के चाणक्य और गृह मंत्री अमित शाह ने भी कह दिया है कि उन्हें जातीय जनगणना कराये जाने से कोई परेशानी नहीं है,लेकिन वह इस पर सियासत के खिलाफ हैं.पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव से पूर्व अमित शाह का उक्त बयान सियासी मोर्चे पर विपक्ष की काट के तौर पर देखा जा रहा है.जातीय जनगणना पर पॉजिटिव रूख अख्तियार करने के साथ बीजेपी पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में पिछड़े वर्ग के चेहरों के साथ पिछड़ों को साधने के उपायों पर मंथन भी कर रहे हैं.इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ चर्चा में तय किया गया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 2019 के मुकाबले पिछड़ों को टिकट में ज्यादा भागीदारी दी जाएगी. 2019 में बीजेपी ने 28 ओबीसी प्रत्याशी उतारे थे.अबकी यह आकड़ा 35 तक पहुंच सकता है.इससे पार्टी को तो फायदा होगा ही इसके अलावा अन्य पार्टियों पर भी दबाव बनेगा कि वह भी अधिक से अधिक ओबीसी प्रत्याशियों को मैदान में उतारें. बीजेपी आलाकमान ने तय किया गया कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह 2024 के आम चुनावों में भी प्रत्येक जिले में पिछड़ों की अलग-अलग जातियों के सम्मेलन किए जाएंगे. यूपी में पिछड़ों के महाकुंभ भी कराये जायेगें. यह सम्मेलन दीपावली के बाद से शुरू होंगे. इसके बाद पिछड़े वर्ग की अलग-अलग रैलियां भी होंगी. ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि बिछले दिनों बीजेपी की बैठक में पिछड़ों की भागीदारी को लेकर चिंता जताई गई थी. फिर अलग-अलग राज्यों से इसकी काट खोजने पर बात हुई थी. सूत्र बताते हैं यूपी में प्रदेश स्तर पर पिछड़ा वर्ग को साधने के लिए जल्द बड़ा अभियान चलाया जाएगा. इसके लिए प्रदेश स्तर पर कोर कमिटी बनाई जाएंगी. कमेटी बीजेपी की ओर से करवाए जा रहे सर्वे के हिसाब से तय करेगी कि किस लोकसभा में किस पिछड़ी जाति के चेहरे को चुनाव लड़वाया जा सकता है.जहां जिस जाति के लोगों की बहुलता होगी, वहां उसके चेहरे को प्रत्याशी बनाया जा सकता है.इसके लिए पिछले चुनावों के आंकड़ों को परखा जाएगा, फिर तीन नाम छांटकर केंद्रीय चुनाव समिति को भेजे जाएंगे.

बहराल,चिंताजनक बात यह है कि कांग्रेस पर कास्ट सेंसस के बहाने 'बांटो और राज करो' की राजनीति करने का आरोप लगाने वाली बीजेपी अब खुद कहने के लिए मजबूर हुई है कि वह कभी भी कास्ट सेंसस के विरोध में नहीं रही. छत्तीसगढ़ के लिए पार्टी के मैनिफेस्टो को जारी करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीजेपी ने कभी भी जातिगत जनगणना के विचार का विरोध नहीं किया लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि पार्टी जल्दबाजी में कोई फैसला करे. इस पर बहुत सोच समझकर फैसला लिया जाएगा।जातिगत जनणना की वकालत करने लगी बीजेपी की मजबूरी यह है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के लिए जिन 17 गारंटियों का चुनावी वादा किया है, उसमें कास्ट सेंसस कराना भी शामिल है.इसीलिये बीजेपी ने जातिगत जनगणना के पक्ष में बयान देकर बढ़त बनाने की कोशिश की है.

खैर,इस सच्चाई से इंकार नहीं किया जा सकता है कि जाति भारतीय राजनीति की कड़वी हकीकत है. कई क्षेत्रीय दलों का तो वजूद ही सिर्फ जाति की राजनीति पर टिका है. जातियों में सबसे बड़ा शेयर ओबीसी का है. यही वजह है कि ओबीसी वोट 2024 के लिए काफी अहम हैं.हर राजनीतिक दल ज्यादा से ज्यादा ओबीसी वोट को अपने पाले में खींचने की जुगत में हैं क्योंकि ये उनके लिए सत्ता की सीढ़ी का काम कर सकती हैं. देश की कुल आबादी में करीब आधा तो सिर्फ ओबीसी हैं। नैशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (छैं०) के मुताबिक, देश की कुल आबादी में ओबीसी की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है और मंडल कमिशन के मुताबिक ये आंकड़ा 52 प्रतिशत है।

राहुल गांधी के बढ़ते कद से सपा चिंतित

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव की तपिश जैसे–जैसे गर्म हो रही है, वैसे–वैसे उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के रिश्ते तल्ख होते जा रहे हैं ।कांग्रेस उत्तरप्रदेश में सपा के वोटबैंक पर नजर गड़ाए बैठी है और उसी मद्देनजर सियासी तानाबाना बुन रही है ।इमरान मसूद, हमीद अहमद और फिरोज आफताब जैसे दिग्गज मुस्लिम नेताओं की एंट्री कराने के बाद कांग्रेस अब सपा के एक बड़े कुर्मी नेता को शामिल कराने जा रही है, जो कि अखिलेश यादव के लिए बड़ा झटका होगा ।सपा के राष्ट्रीय महासचिव और कई बार सांसद रहे रवि प्रकाश वर्मा और 2019 में लोकसभा चुनाव प्रत्याशी रहीं उनकी बेटी पूर्वी वर्मा जल्द ही कांग्रेस का हाथ थामेंगी ।रवि वर्मा सपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे हैं और लखीमपुर खीरी के आसपास के इलाके में मजबूत पकड़ मानी जाती है ।रवि प्रकाश वर्मा और उनकी बेटी पूर्वी वर्मा शुक्रवार को समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देंगे ।

अशोक भाटिया

2024 के लोकसभा के चुनाव अभी दूर है पर सभी दलों ने 5 राज्यों के चुनाव के साथ ङ्क साथ 2024 के लिए अपनी जमीन मजबूत करना शुरू कर दी है । उत्तरप्रदेश में कांग्रेस ने जो अन्य दलों के नेताओं को अपने साथ जोड़ने का क्रम शुरू किया है उसमे सबसे ज्यादा प्रभावित सपा प्रमुख अखिलेश यादव है । सपा प्रमुख की अपने वोट बैंक को लेकर चिंता इसलिए भी हो सकती है, क्योंकि पिछले कुछ समय से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का कद विपक्षी नेताओं में लगातार बढ़ा है, जो कि भाजपा के छिटकने वाले मतदाताओं को भी रिझाकर भविष्य के लिए क्षेत्रीय दलों की जमीन कमजोर कर सकते हैं। देश के जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला है, वहां अल्पसंख्यक वोट कांग्रेस के खाते में जाने की संभावनाएं पहले से ही प्रबल हैं।

वहीं, उत्तर प्रदेश के संदर्भ में माना जाता है कि विधानसभा चुनावों में सपा-बसपा के पाले में कम-ज्यादा होने वाला मुस्लिम मतदाता लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को भी विकल्प के तौर पर देखता है। कुछ पुष्टि आंकड़े भी करते हैं। लोकनीति-सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में 79 प्रतिशत मुस्लिमों ने सपा को वोट दिया था, जबकि कांग्रेस को सिर्फ चार प्रतिशत मत मिले।इससे पहले, 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में तस्वीर थोड़ी अलग थी। तब सपा-बसपा के गठबंधन को 73 प्रतिशत मुस्लिम मत मिला था, जबकि 14 प्रतिशत ने कांग्रेस पर विश्वास जताया था। तब निस्संदेह मोदी लहर में कांग्रेस बेहद कमजोर थी। अन्य राज्यों में भी उसे लगातार हार मिल रही थी। पर आज हालात बदले हुए हैं ।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव की तपिश जैसे-जैसे गर्म हो रही है, वैसे-वैसे उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के रिश्ते तल्ख होते जा रहे हैं। कांग्रेस उत्तरप्रदेश में सपा के वोटबैंक पर नजर गड़ाए बैठी है और उसी मद्देनजर सियासी तानाबाना बुन रही है। इमरान मसूद, हमीद अहमद और फिरोज आफताब जैसे दिग्गज मुस्लिम नेताओं की एंट्री कराने के बाद कांग्रेस अब सपा के एक बड़े कुर्मी नेता को शामिल कराने जा रही है, जो कि अखिलेश यादव के लिए बड़ा झटका होगा।सपा के राष्ट्रीय महासचिव और कई बार सांसद रहे रवि प्रकाश वर्मा और 2019 में लोकसभा चुनाव प्रत्याशी रहीं उनकी बेटी पूर्वी वर्मा जल्द ही कांग्रेस का हाथ थामेंगी। रवि वर्मा सपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे हैं और लखीमपुर खीरी के आसपास के इलाके में मजबूत पकड़ मानी जाती है। रवि प्रकाश वर्मा और उनकी बेटी पूर्वी वर्मा शुक्रवार को समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देंगे और उसके बाद 6 नवंबर को वर्मा परिवार अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस का हाथ थामेंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी सपा के लिए रवि वर्मा का पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होना एक बड़ा झटका माना जा रहा है। पूर्व सांसद रवि वर्मा सपा के दिग्गज नेताओं में गिने जाते हैं और पार्टी के गठन के समय से जुड़े हुए हैं। साल 1998 से 2004 तक लखीमपुर खीरी लोकसभा सीट से लगातार तीन बार सपा के टिकट पर सांसद बने और एक बार राज्यसभा सदस्य रहे।रवि वर्मा के पिता बाल गोविंद वर्मा और माता ऊषा वर्मा भी लखीमपुर खीरी सीट से सांसद रह चुकी हैं। इस तरह से लखीमपुर खीरी संसदीय सीट पर रवि वर्मा का परिवार दस बार प्रतिनिधित्व कर चुका है। उनकी बेटी पूर्वी वर्मा 2019 के लोकसभा चुनाव में लखीमपुर खीरी सीट से उतरी थी, लेकिन भाजपा की अजय मिश्रा टेनी से जीत नहीं सकीं।रवि प्रकाश ओबीसी की कुर्मी समुदाय से आते हैं और रुहेलखंड के बड़े नेताओं में उन्हें गिना जाता है। कांग्रेस की नजर उत्तरप्रदेश में जिस तरह सपा के वोटबैंक पर है, उसमें रवि वर्मा की एंट्री अहम रोल अदा कर सकती है। रवि वर्मा की पकड़ जिस तरह से रुहलेखंड के कुर्मी समुदाय के बीच हैं, उसमें बरेली, शाहजहांपुर, धौरहरा, सीतापुर, पीलीभीत, मिश्रिख जैसी संसदीय सीटों पर सियासी समीकरण बदल सकते हैं। इन इलाकों में सपा के लिए 2024 के चुनाव में चिंता बढ़ सकती है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपने खोए हुए सियासी समीकरण को दुरुस्त करने में जुटी है। इसी मद्देनजर कुर्मी समुदाय को साधने के लिए कांग्रेस पूर्व सांसद रवि वर्मा और उनकी बेटी को शामिल करा रही है। रवि प्रकाश के बाद कुर्मी समुदाय के कई अन्य नेताओं को कांग्रेस में शामिल कराने की रणनीति कांग्रेस ने बनाई है, जिसके लिए अवध और देवीपाटन क्षेत्र के कई बड़े कुर्मी नेताओं से बातचीत कर रखी है।रवि प्रकाश वर्मा जिस रुहेलखंड से इलाके से आते हैं और यहां कुर्मी समुदाय के वोट निर्णायक भूमिका में है। कांग्रेस में रवि वर्मा के शामिल होने से लखीमपुर खीरी के इलाके में ही नहीं बल्कि आसपास के लोकसभा सीटों पर कुर्मी वोटबैंक पर असर पड़ेगा। रवि वर्मा के पिता और मां कांग्रेस में रही हैं, लेकिन उन्होंने सपा के साथ अपना सियासी सफर शुरू किया था और अब वो भी घर वापसी करने जा रहे हैं। रवि वर्मा के एंट्री से सपा के साथ कांग्रेस के रिश्ते और भी तल्ख हो सकते हैं।कांग्रेस की नजर सपा के वोटबैंक पर है। बीते दिनों पश्चिमी उत्तरप्रदेश के दिग्गज मुस्लिम नेताओं की एंट्री कराई है, जिसमें सपा से निकाले गए इमरान मसूद, आरएलडी के हमीद अहमद और सपा से चुनाव लड़ चुके फिरोज आफताब शामिल हैं। कांग्रेस इस बात को बाखूबी तौर पर समझ रही है कि उत्तरप्रदेश में अगर उसे दोबारा से खड़ा होना है तो अपने परंपरागत सियासी आधार को दोबारा से हासिल करना होगा। उत्तरप्रदेश में सपा जिस जमीन पर मजबूती से खड़ी है, वो कभी कांग्रेस की हुआ करती थी। इसीलिए कांग्रेस अब अपने कोर वोटबैंक रहे मुस्लिम समुदाय को जोड़ने पर लगी है तो पार्टी के पुराने नेताओं की एंट्री कराई जा रही है। इमरान मसूद और हमीद अहमद हों या फिर अब रवि प्रकाश वर्मा, तीनों ही नेताओं का परिवार कांग्रेस में रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव उत्तरप्रदेश में इन दिनों पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के फॉर्मूले से भाजपा को मात देना का दावा कर रहे हैं। इस फॉर्मूले के दम पर सूबे की 80 में से 65 सीटों पर सपा चुनाव लड़ने की तैयारी में है और सहयोगी दल के लिए सिर्फ 15 सीटें ही छोड़ रही है। उत्तरप्रदेश में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया ' में सपा, कांग्रेस, आरएलडी और अपना दल (कमेरावादी) शामिल है। सपा जिस पीडीए के सहारे उत्तरप्रदेश की 80 फीसदी सीटों पर खुद लड़ने की बात कर रहे हैं, उसके चलते ही कांग्रेस और आरएलडी जैसे दल भी अपने सियासी समीकरण को मजबूत करने में लग गए हैं।कांग्रेस और आरएलडी दोनों ही मुस्लिम, ओबीसी और दलित वोटों को अपने पाले में लाने में जुटे हैं।

अहोई अष्टमी संतान की मंगलकामना का पर्व

भारत में हिन्दू समुदाय में करवा चौथ के चार दिन पश्चात् और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। 'अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 5 नवम्बर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं। अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया।

भाजपा के सितारे गर्दिश में: दिग्गज बुरे फंसे

बहरहाल शिवराज हर हाल में सत्ता पाने की जी तोड़ कोशिश में लगे हैं किंतु जनता जनार्दन पिछली कांग्रेस सरकार गिराने वाले को गिराने प्रतिबद्ध नज़र आ रही है लगता है इस बार बड़े बड़े नेता भी अर्श से फर्श पर नज़र आएंगे ।सबसे बड़ी बात है कि इन दिग्गजों के सामने जो मुकाबला करने जा रहे हैं वे आज के युवा महाबली इस मामले में है क्योंकि उनकी तादाद सबसे बड़े वोटरों में है ।दूसरी बात ये कि इन तमाम नेताओं के काले पीले अध्यायों की संख्या उजागर हो चुकी है और जो अभी उनके सामने वे बिल्कुल धवल हैं और उनमें जोश और उत्साह है ।जैसा कि सर्वविदित है विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कोई भी सांसद तैयार नहीं था ।नरेन्द्र सिंह तोमर तो मुरैना में घूम रहे थे किंतु अपने दिमनी विधानसभा में तभी पहुंचे जब नामीनेशन की तारीख आ पहुंची ।वहां उनका मुकाबला रवीन्द्र सिंह तोमर से है जो वर्तमान में विधायक हैं ।यहां के लोगों में जो मूलत : किसान हैं किसानों की उपेक्षा के कारण सख्त नाराज़ हैं जो बहुसंख्यक तोमर समाज से हैं ।ब्राह्मण भी इस क्षेत्र में उनकी उपेक्षा से नाखुश हैं ।

सुसंस्कृति परिहार

पांच राज्यों में होने जा रहे चुनावों में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण है जहां लगभग 18 वर्षों से मुख्यमंत्री के रुप में मामा शिवराज विद्यमान हैं।उनकी कथित लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि मोदीशाह की जुगलजोड़ी हिल गई उन्हें भय सताने लगा कि कहीं संघ उन्हें अगला प्रधानमंत्री ना बना दे इसलिए दूसरी सूची जारी करते हुए उन्होंने उसमें मुख्यमंत्री पद के दावेदार दिग्गजों को मैदान में उतारा जिनके नाम मुख्यमंत्री के तौर पर सामने आते रहे हैं जिनमें नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, फग्गनसिंह कुलस्ते और प्रह्लाद पटेल के नाम प्रमुख हैं वैसे सांसद गणेश सिंह सतना,सीधी से रीति पाठक और जबलपुर से राकेश सिंह भी विधानसभा चुनाव में झोंके गए हैं शायद दिल्ली के मोदी-शाह इस भ्रम में हैं कि उनका सांसद अपने संसदीय क्षेत्र की तमाम सीट जीत लेगा एवं यह जनता को बताएगा कि वह ही मुख्यमंत्री बनने वाला है। आपको अच्छे से ज्ञात है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस से गद्दारी के बाद लगातार मुख्यमंत्री पद के लिए हसीन सपने देखते रहें।

उनका तो चुनावी पत्ता ही काट लिया गया।उधर 2003 में भारी बहुमत से विजयी उमा भारती का नामलेवा कोई नहीं है।वे रूठ कर हिमालय की शरण में गई हुई हैं।इधर लगातार विधायक रहने का रिकार्ड बनाने वाले गोपाल भार्गव और उनसे तनिक पीछे चल रहे जयंत मलैया के नाम भी इस दौड़ में आते रहे हैं। किंतु मोदी-शाह मुख्यमंत्री इन सब कद्दावर नेताओं में से किसी को भी मुख्यमंत्री नहीं पसंद कर सकते उन्हें चाहिए गुजरात जैसा मुख्यमंत्री जी हुज़ूरी वाला।कुछ लोग तो यह मान रहे हैं इन सबको हराने का मोदी प्लान है ताकि 2024में नये रंगरूटों के साथ मनमानी कर सकें। मध्यप्रदेश में कांग्रेस आ रही है इसलिए इन घिसे-पिटे लोगों का खात्मा स्वतऱ्हो जाएगा।

बहरहाल शिवराज हर हाल में सत्ता पाने की जी तोड़ कोशिश में लगे हैं किंतु

जनता जनार्दन पिछली कांग्रेस सरकार गिराने वाले को गिराने प्रतिबद्ध नज़र आ रही है लगता है इस बार बड़े बड़े नेता भी अर्श से फर्श पर नज़र आएंगे। सबसे बड़ी बात है कि इन दिग्गजों के सामने जो मुकाबला करने जा रहे हैं वे आज के युवा महाबली इस मामले में है क्योंकि उनकी तादाद सबसे बड़े वोटरों में है।दूसरी बात ये कि इन तमाम नेताओं के काले पीले अध्यायों की संख्या उजागर हो चुकी है और जो अभी उनके सामने वे बिल्कुल धवल हैं और उनमें जोश और उत्साह है।

जैसा कि सर्वविदित है विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कोई भी सांसद तैयार नहीं था। नरेन्द्र सिंह तोमर तो मुरैना में घूम रहे थे किंतु अपने दिमनी विधानसभा में तभी पहुंचे जब नामीनेशन की तारीख आ पहुंची। वहां उनका मुकाबला रवीन्द्र सिंह तोमर से है जो वर्तमान में विधायक हैं। यहां के लोगों में जो मूलतः किसान हैं किसानों की उपेक्षा के कारण सख्त नाराज़ हैं जो बहुसंख्यक तोमर समाज से हैं। ब्राह्मण भी इस क्षेत्र में उनकी उपेक्षा से नाखुश हैं जबकि यह विधानसभा क्षेत्र उनके संसदीय क्षेत्र में शामिल है। इंदौर-1 के बीजेपी प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय को उनके कई स्थानीय समर्थक बॉस कहकर पुकारते हैं, तो इस सीट के मौजूदा कांग्रेस विधायक और उम्मीदवार संजय शुक्ला के लिए संजू भैया का संबोधन इस्तेमाल किया जाता है।संजू भैय्या कैलाश विजयवर्गीय की तरह मंजे खिलाड़ी तो नहीं है किंतु वर्तमान विधायक हैं। विजय वर्गीय भाजपा महासचिव हैं। उन्हें पिछले विधानसभा चुनाव में बंगाल में भाजपा जिताने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिसमें वे बुरी तरह परास्त हुए।कट्टर अक्खड़ संघी हैं बॉस भले कहलाते हैं लेकिन अब वे कुछ खास नहीं है यहां उनकी जीत आसान नहीं।

तीसरे फग्गनसिंह कुलस्ते हैं जो कई बार के सांसद हैं और 33वर्ष बाद निवास विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार बनाए गए हैं उनका मुकाबला भी वर्तमान विधायक डॉ अशोक मर्सकोले से होगा। यहां भी सांसद होते हुए भी उन्होंने क्षेत्र में आदिवासी कल्याण की ओर ध्यान नहीं दिया ना ही लोगो के बीच मिले-जुले जो उनको क्षति पहुंचाएगा। चौथे हैं प्रह्लाद पटेल जो दमोह संसदीय क्षेत्र से हैं क्षेत्र में मनोयोग से जितना बन पड़ा काम किया उन्हें उनके संसदीय क्षेत्र से टिकिट ना देकर गृहनगर नरसिंहपुर विधानसभा से टिकिट मिली हैं जहां से उनके भाई विधायक थे।यह सीट निकालना आसान नज़र आता है किंतु भाई के अन्तर्विरोध का सामना उन्हें करना पड़ेगा। वर्तमान विधायक उनके भाई जालम सिंह पटेल है।इसके अलावा उनका मुकाबला भी अपने भाई कांग्रेस के लाखन सिंह पटेल से होना है यदि दोनों भाई एकजुट हो जाते हैं तो प्रह्लाद की जीत मुश्किल होगी क्योंकि लाखन सिंह का पलड़ा वैसे भी भारी है। कांग्रेस आ रही है का जोर इस बार हर जगह की तरह नरसिंहपुर में बहुत है।अन्य तीन सांसद गणेश सिंह सतना से,रीति पाठक सीधी से और राकेश सिंह की स्थिति भी ठीक नहीं बताई जा रही है।

भाजपा की एक महिला मंत्री अर्चना चिटनिस की स्थिति डांवाडोल है। वहीं सागर में रहली विधानसभा में भाजपा के सीनियर विधायक गोपाल भार्गव के सामने कांग्रेस की युवा नेत्री ज्योति पटेल का तेज दमक रहा है भार्गव कमज़ोर नज़र आ रहे हैं।उधर खुरई से रक्षा सिंह राजपूत भाजपा के एक और मंत्री भूपेंद्र सिंह पर बहुत भारी पड़ रहीं।सागर सीट पर निधि जैन अपने जेठ दो बार के भाजपा विधायक शेलेन्द्र जैन को सबक सिखाने की तैयारी में हैं।बीना में भी आसपास की महिलाओं की मजबूती का लाभ बीना में कांग्रेस की उम्मीदवार निर्मला सप्रे को मिलता नज़र आ रहा है। दमोह विधानसभा सीट पर जयंत मलैया पूर्व मंत्री को भाजपा ने टिकिट देकर लगता है अपनी जीत का ख्वाब देख रहे है ।

दमोह कांग्रेस का गढ़ रहा है । पिछले उपचुनाव में कांग्रेस के अजय टंडन ने 17हज़ार के अंतर से भाजपा को तब मात दी थी जब पूरा केबिनेट यहां धूनी रमाए बैठा था। टंडन फिर मैदान में हैं।आम लोगों का मत है कांग्रेस की सरकार आ रही है तो मलैया को क्यों जिताएं।इसी तरह कटनी जिले के अमीर विधायक नाम से जाने जाने वाले भाजपा विधायक संजय पाठक भी मुश्किल में फंसे दिखाई दे रहे हैं उन्हें विजयराघवगढ़ के ही नीरज सिंह बघेल चुनौती दे रहे हैं।

प्राकृतिक संरचना

भारत का क्षेत्रफल

भारत ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के 63 वर्षों में बहुआयामी सामाजिक-आर्थिक प्रगति की है। भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग कि.मी. है, जो हिमालय की हिमाच्छादित चोटियों से लेकर दक्षिण के उष्णकटिबंधीय सघन वनों तक फैला हुआ है। विश्व के इस सातवें विशालतम देश को पर्वत तथा समुद्र शेष एशिया से अलग करते हैं, जिससे इसका अलग भौगोलिक अस्तित्व है। इसके उत्तर में हिमालय पर्वत श्रृंखला है, जहाँ से यह दक्षिण में बढ़ता हुआ कर्क रेखा तक जाकर, पूर्व में बंगाल की खाड़ी और पश्चिम में अरब सागर के बीच हिन्द महासागर से जा मिलता है।

इसका विस्तार उत्तर से दक्षिण तक 3,214 किलोमीटर और पूर्व से पश्चिम तक 2,933 किलोमीटर है। इसकी भूमि सीमा लगभग 15,200 कि.मी. है। मुख्य भूमि, लक्षद्वीप समूह और अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह के समुद्री तट की कुल लम्बाई 7516.6 कि.मी. है।

सीमावर्ती देश

भारत के सीमावर्ती देशों में उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान और अफगानिस्तान हैं। उत्तर में चीन, नेपाल और भूटान हैं। पूर्व में म्यांमार और पश्चिम बंगाल के पूर्व में बांग्लादेश स्थित है। मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरू मध्य, भारत को श्रीलंका से अलग करते हैं। हिमालय हिमालय की तीन शंखलाएं हैं जो लगभग समानान्तर फैली हुई हैं। संसार की सबसे ऊँची चोटियों में से कुछ इन्हीं पर्वत शंखलाओं में हैं। पर्वतीय दीवार लगभग 2,400 किलोमीटर की दूरी तक फैली है, जो 240 किलोमीटर से 320 किलोमीटर तक चौड़ी है। पूर्व में भारत और म्यॉंमार तथा भारत और बांग्लादेश के बीच पहाड़ी शंखलाओं की ऊंचाई

बहुत कम है।

मैदानी क्षेत्र

सिन्धु और गंगा के मैदान लगभग 2400 किमी. लम्बे और 240 किमी. तक चौड़े हैं। ये तीन अलग-अलग नदी प्रणालियों सिन्धु, गंगा और ब्रह्मपुत्र के थालों से बने हैं। ये संसार के विशालतम सपाट कछारी विस्तारों और पृथ्वी पर बसे सर्वाधिक घने क्षेत्रों में से एक हैं। रेगिस्तानी क्षेत्र रेगिस्तानी क्षेत्र को दो हिस्सों में बाँटा जा सकता है- विशाल रेगिस्तान और लघु रेगिस्तान। विशाल रेगिस्तान कच्छ के रण के पास से उत्तर की ओर लूनी नदी तक फैला हुआ है। राजस्थान-सिन्ध की पूरी सीमा रेखा इसी रेगिस्तान में है। लघु रेगिस्तान जैसलमेर और जोधपुर के बीच में लूनी नदी से शुरू होकर उत्तरी बंजर तक फैला हुआ है। दक्षिणी प्रायद्वीप दक्षिणी प्रायद्वीप का पठार 460 से 1,220 मीटर तक की ऊंचाई के पर्वत तथा पहाड़ियों की श्रेणियों द्वारा सिन्धु और गंगा के मैदानों से पृथक हो जाता है। इसमें प्रमुख हैं- अरावली, विंध्य, सतपुड़ा, मैकला और अजंता। प्रायद्वीप के एक तरफ पूर्वी घाट है, दूसरी तरफ पश्चिमी घाट हैं।

जलवायु

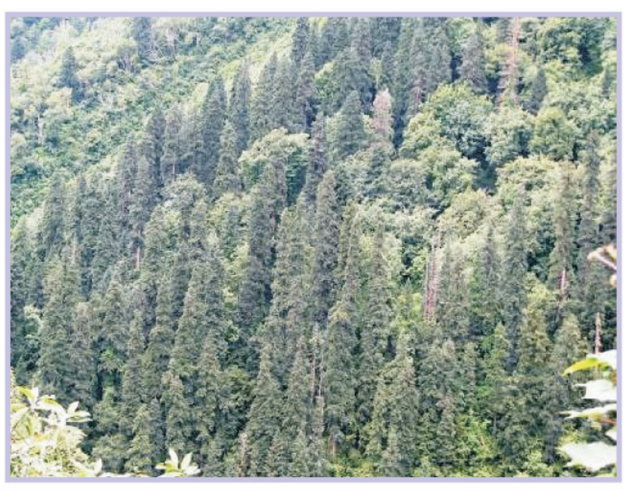

भारत की जलवायु मोटे रूप से उष्ण-कटिबंधीय है। यहाँ चार ऋतुएं होती हैं- शीत ऋतु (जनवरी-फरवरी), ग्रीष्म ऋतु (मार्च-मई), वर्षा ऋतु या दक्षिण-पश्चिम मानसून का समय (जून-सितम्बर) और मानसून-पश्चात ऋतु (अक्तूबर-दिसंबर) जिसे दक्षिण प्रायद्वीप में उत्तर-पूर्व मानसून का मौसम भी कहा जाता है। भारत की जलवायु पर दो प्रकार की मौसमी हवाओं का प्रभाव पड़ता है- उत्तर-पूर्वी मानसून और दक्षिण पश्चिमी मानसून। उत्तर-पूर्वी मानसून को आमतौर पर शीत-मानसून कहा जाता है।

पेड़-पौधे

भारत को आठ वनस्पति क्षेत्रों में बाँटा जा सकता है, पश्चिमी हिमालय, पूर्वी हिमालय, असम, सिन्धु का मैदान, गंगा का मैदान, दक्कन,

मालाबार और अंडमान।

पश्चिमी हिमालय क्षेत्र कश्मीर से कुमाऊं तक फैला है। इस क्षेत्र के शीतोष्ण कटिबंधीय भाग में चीड़, देवदार, कोनधारी वृक्षों (कोनीफर्स) और चौड़ी पत्ती वाले शीतोष्ण वृक्षों के वनों का बाहुल्य है। इससे ऊपर के क्षेत्रों में देवदार, नीली चीड़, सनोवर वृक्ष और श्वेत देवदार के जंगल हैं। अलपाइन क्षेत्र शीतोष्ण क्षेत्र की ऊपरी सीमा से 4,750 मीटर या इससे अधिक ऊँचाई तक फैला हुआ है। इस क्षेत्र में ऊंचे स्थानों में मिलने वाले श्वेत देवदार, श्वेत भोजवृक्ष और सदाबहार वृक्ष पाए जाते हैं। पूर्वी हिमालय क्षेत्र सिक्किम से पूर्व की ओर शुरू होता है और इसके अंतर्गत दार्जिलिंग, कुर्सियांग और उसके साथ लगे भाग आते हैं। इस शीतोष्ण क्षेत्र में ओक, जायफल, द्विफल, बड़े फूलों वाला सदाबहार वृक्ष और छोटी बेंत के जंगल पाए जाते हैं। असम क्षेत्र में ब्रहमपुत्र और सुरमा घाटियों और बीच की पर्वत श्रेणियाँ आती हैं। इनमें सदाबहार जंगल हैं और बीच-बीच में घने बाँसों और लम्बी घासों के झुरमुट हैं। सिंधु मैदान क्षेत्र में पंजाब, पश्चिमी राजस्थान और उत्तरी गुजरात के मैदान शामिल हैं। यह क्षेत्र शुष्क और गर्म है और इनमें प्राकृतिक वनस्पतियाँ मिलती हैं। गंगा मैदान क्षेत्र के अंतर्गत अरावली श्रेणियों से लेकर बंगाल और उड़ीसा तक का क्षेत्र आता है। इस क्षेत्र का अधिकतर भाग कछारी मैदान है और इनमें गेहूं, चावल और गन्ने की खेती होती है। केवल थोड़े से भाग में विभिन्न प्रकार के जंगल हैं। दक्कन क्षेत्र में भारतीय प्रायद्वीप की सारी पठारी भूमि शामिल है, जिसमें पतझड़ वाले वृक्षों के जंगलों से लेकर तरह-तरह की जंगली झाड़ियों के वन हैं। मालाबार क्षेत्र के अधीन प्रायद्वीप तट के साथ-साथ लगने वाली पहाड़ी तथा अधिक नमी वाली पट्टी है। इस क्षेत्र में घने जंगल हैं। इनके अलावा इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण वाणिज्यिक फसलें जैसे नारियल, सुपारी, काली मिर्च, कॉफी, चाय, रबड़ और काजू की खेती होती है। कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक के हिमालय क्षेत्र (नेपाल, सिक्किम, भूटान, नगालैंड) और दक्षिण प्रायद्वीप में क्षेत्रीय पर्वतीय श्रेणियों में ऐसे देशी पेड़-पौधों की अधिकता है जो दुनिया में अन्यत्र कहीं नहीं मिलते हैं।

नदियाँ

भारत की नदियाँ इस प्रकार वर्गीकृत की जा सकती हैं - (1) हिमालय की नदियाँ, (2) प्रायद्वीपीय नदियाँ, (3) तटीय नदियाँ, तथा (4) अंतःस्थलीय प्रवाह क्षेत्र की नदियाँ।

हिमालय की नदियाँ बारहमासी हैं जिनको पानी आमतौर से बर्फ पिघलने से मिलता है। उनमें वर्ष भर निर्बाध प्रवाह रहता है। प्रायद्वीप की नदियों में सामान्यतः वर्षा का पानी रहता है, इसलिए पानी की मात्रा घटती-बढ़ती रहती है। अधिकाँश नदियाँ बारहमासी नहीं हैं। पश्चिमी राजस्थान में नदियाँ बहुत कम हैं। उनमें से अधिकतर थोड़े दिन ही बहती हैं। इस भाग की केवल लूनी नदी ही ऐसी नदी है, जो कच्छ के रण में गिरती है।

जीव-जन्तु

जलवायु और प्राकृतिक वातावरण की व्यापक भिन्नता के कारण भारत में लगभग 89,451 किस्म के जीव-जंतु पाए जाते हैं। इनमें 2,577 प्रोटिस्टा (आद्यजीव), 68,389 एंथ्रोपोडा, 119 प्रोटोकॉर्डेटा, 2,546 किस्म की मछलियाँ, 209 किस्म के उभयचारी, 456 किस्म के सरीसृप, 1,232 किस्म के पक्षी और 390 किस्म के स्तनपायी जीव, पाँच हजार से कुछ अधिक मोलस्क प्राणी और 8,329 अन्य अकशेरुकी आदि शामिल हैं।

न्यूज इन शार्ट

ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में हादसा, वर्कर के हाथ जले

जबलपुर। ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में हादसा हो गया। बारूद फीलिंग क्षेत्र में एक मजदूर के हाथ जल गए हैं। ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में आज सुबह करीब 11ः30 बजे बारूद भरने के दौरान हादसे में एक कर्मी के दोनों हाथ जल गए। जिसे प्राथमिक उपचार के लिए निर्माणी अस्पताल ले जाया गया है। बाद में वर्कर को एंबुलेंस से स्थानीय महाकौशल अस्पताल ले जाया गया है जहां बर्न यूनिट में उसे रखा गया। ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में बारूद भरने के दौरान हादसे में एक कर्मी के दोनों हाथ जल गए। जिसे प्राथमिक उपचार के लिए निर्माणी अस्पताल ले जाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खमरिया के S9 क्षेत्र की बिल्डिंग नंबर 129 में बारूद भरने के दौरान डीबी वर्कर रवि पवार चपेट में आ गया और उसके हाथ जल गए। उसे उपचार के लिए तत्काल निर्माणी के अस्पताल ले जाया गया है रांची निवासी 35 वर्षीय रवि पवार की हालत स्थिर बताई जाती है।

जाली वेतन पर्ची-आइडी से एसबीआइ से 30 लाख रुपये का ऋण लिया, सात आरोपित गिरफ्तार

इंदौर। एसबीआइ बैंक को महिला ठग लाखों रुपये की चपत लगा गई। दो महिलाओं ने खुद को नर्स और शिक्षिका बताकर बैंक से 30 लाख रुपये का व्यक्तिगत (पर्सनल) लोन लिया और फरार हो गई। जालसाजी बैंक के आफिस ब्वाय की मदद से की। पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। दस्तावेजों का सत्यापन करने वाले मैनेजर की भूमिका पर भी संदेह है। डीसीपी जोन-1 आदित्य मिश्रा के अनुसार, फर्जीवाड़ा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सीएसडब्ल्यूटी की शाखा में हुआ है। उप प्रबंधक देवेंद्र वर्मा की शिकायत पर रितू कौरव, मनोज कौरव, रीमा शर्मा, संजय शर्मा, दीपक कुमार जैन, विजय वर्मा और शुभम हेडव के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। वर्मा ने पुलिस को बताया कि एक महीने पूर्व आरोपित रीमा और रितू ने व्यक्तिगत ऋण (पर्सनल लोन) के लिए दस्तावेज प्रस्तुत किए थे। रितू कौरव ने स्वयं को एमवाय अस्पताल की स्टाफ नर्स और रीमा शर्मा ने शासकीय विद्यालय (देपालपुर) में शिक्षिका बताया। आरोपितों ने फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, वेतन पर्ची (सैलरी स्लीप), बैंक स्टेटमेंट आदि दस्तावेज प्रस्तुत किए और ऋण लेकर फरार हो गई।

झाली तालाब में डूबने से फल विक्रेता की मौत, समय पर एंबुलेंस न आने का आरोप

रतलाम। कालिका माता मंदिर परिसर स्थित झाली तालाब में डूबने से एक फल विक्रेता की मौत हो गई। तालाब से बाहर निकालने के दौरान उसकी सांसें चल रही थी, लेकिन समय एम्बुलेंस नहीं पहुंची। इस पर उसे ऑटो से जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। यदि समय पर एम्बुलेंस मिल जाती तो उसे समय पर इलाज मिल सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महमूद खान शुक्रवार दोपहर करीब 12 पौने बारह बजे तालाब की पाल पर बैठे हुए थे। कुछ देर बाद वे तालाब में गिर गए। लोगों ने शोर मचाया तो क्षेत्र में ही एक होटल पर चाय पीने आए एसडीआरएफ के जवान मदनलाल गुर्जर तालाब में कूदे और महमूद को बाहर निकाला। इस दौरान उनकी सांसे चल रही थी। सूचना देने के बाद भी एंबुलेंस नहीं आने पर आटो से मेहमूद खान को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। कुछ देर बाद मेहमूद के दामाद शाहरूख, पुत्र जावेद व अन्य लोग जिला अस्पताल पहुंचे। शाहरूख ने बताया कि महमूद के एक पैर में कुछ दिन से तकलीफ हो रही थी। वे तालाब पर कैसे पहुंचे, पता नहीं चला। मदनलाल गुर्जर ने बताया कि जब महमूद को बाहर निकाला गया तो वे जीवित थे। 108 एंबुलेंस सेवा पर फोन किया तो दस मिनट तक फोन काल होल्ड पर रखा गया। इसके बाद एक व्यक्ति ने काल अटैंड किया और कहा कि मेरी गाड़ी (एम्बुलेंस) नहीं आएगी, खराब है। इसके बाद वे आसपास खड़े लोगों की मदद से महमूद को एक आटो से अस्पताल ले गए। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम कराकर शव स्वजन को सौंप दिया गया है। जांच की जा रही है।

सरपंच ने ट्रैक्टर चालक की गोली मारकर की हत्या; प्रशासन ने बुल्डोजर चलाकर आरोपी का घर तोड़ा, आरोपी फरार

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा में बीती रात कचनौधा गांव के सरपंच ने रथोल का पुरा गांव में एक ट्रैक्टर चालक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना दिमनी थाना क्षेत्र की है। घटना के बाद सभी आरोपी अपना-अपना घर खाली करके भाग गए। गुस्साए परिजनों ने मुरैना-अम्बाह स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वे माने नहीं। परिजनों की मांग थी कि आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी कर उनके घरों पर बुल्डोजर चलाया जाए।

अधिकारियों ने परिजनों की बात मानते हुए शनिवार सुबह आरोपी सरपंच के घर बुल्डोजर चलाकर तोड़ दिया है। हालांकि इस घटना के सभी आरोपी अभी फरार हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की आधा दर्जन टीमें लगी हुई हैं। घटना की वजह ट्रैक्टर पर तेज आवाज में संगीत बजाना बताया गया है। दिमनी थाना क्षेत्र के रथोल का पुरा गांव निवासी एदल सिंह गुर्जर पेशे से किसान था। वह ट्रैक्टर से खेतीबाड़ी के साथ माल ढोने का काम भी करता था। बताया जा रहा है कि एदल गुर्जर का छोटा भाई अपने ट्रैक्टर में कुछ माल भरकर ला रहा था। वह अपने ट्रैक्टर पर तेज आवाज में संगीत बजा रहा था। वह कचनौधा गांव के सरपंच श्यामू तोमर के दरवाजे से होकर गुजरा तो सरपंच ने ट्रैक्टर रुकवाकर उससे संगीत बंद करने के लिए कहा। यह बात ट्रैक्टर चालक को अच्छी नहीं लगी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा तो गांव के अन्य लोग वहां पर

आ गए। गांव वालों ने बीच-बचाव करते हुए ट्रैक्टर वाले को वहां से चले जाने का इशारा कर दिया। इसके बाद दूसरे दिन फिर ट्रैक्टर चालक सरपंच के दरवाजे से तेज आवाज में संगीत बजाते हुए निकला। सरपंच ने यह बात फोन पर एदल गुर्जर को बताई।

एदल गुर्जर ने अपने भाई का पक्ष लेते हुए कहा कि वह रोजाना इसी तरह से ट्रैक्टर पर तेज आवाज में संगीत बजाते हुए तेरे दरवाजे से निकलेगा। तुझे जो करना है, कर लेना। यह बात सुनते ही सरपंच तैश में आ गया। वह रात करीब 8ः45 बजे अपने साथ एक दर्जन लड़कों को लेकर रथोल का पुरा गांव में एदल गुर्जर के घर पहुंच गया। यहां पर सरपंच तथा उसके साथियों ने गाली-गलौच की तो एदल के भाई ने कट्टे से फायर कर दिया। इसके बाद सरपंच श्यामू तोमर और उसके साथियों ने भी अवैध हथियारों से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली एदल सिंह गुर्जर के सीने में लगी, जिससे वह मौके पर ही ढेर हो गया। एदल को गोली लगते ही सभी आरोपी मौके से भाग गए। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को देने के साथ ही घायल एदल को वाहन में रखकर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुस्साए मृतक के परिजनों ने रात को ही मूरिण 9-अम्बाह स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम की खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने। परिजन मौके पर कलेक्टर-एसपी को बुलाने की जिद कर रहे थे। हालात बिगड़ते देख जिला मुख्यालय से एसपी व जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। परिजनों की मांग थी कि आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके घरों पर बुल्डोजर चलाया जाए। एसपी ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम भेजी तो उनके घरों पर ताले लटके मिले। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर सरपंच श्यामू तोमर सहित नौ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। वहीं, आज सुबह पुलिस ने परिजनों की मांग पर आरोपी सरपंच के घर को बुल्डोजर चलाकर तोड़ दिया। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की आधा दर्जन टीमें लगाई गई हैं। पुलिस संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दे रही है। टीआई दिमनी उदयभान सिंह यादव का कहना है कि आज रात कचनौधा गांव के सरपंच ने एक ट्रैक्टर चालक की गोली मारकर हत्या कर दी है। घटना की असल वजह क्या है, यह अभी पता नहीं चल पाया है। पड़ताल में पता चला है कि आरोपी और मृतक पहले गहरे मित्र रहे हैं। आरोपी पक्ष के लोग शातिर बदमाश हैं। उनके बीच किस बात को लेकर बिगड़ी है, पता नहीं। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

कलेक्टर व एसपी की मौजूदगी में निकाली गई बाइक रैली

मतदाता जागरूकता का दिया गया संदेश

उमरिया। जिले की दोनों विधानसभा क्षेत्र क्रमशः 89 बांधवगढ़ एवं 90 मानपुर में मतदान 17 नवंबर को संपन्न होगा। इसके लिए मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। बता दें कि अभियान के तहत जीएम कॉम्प्लेक्स से बाइक रैली निकाली गई।

ये रहे शामिल

इस रैली में कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, अपर कलेक्टर शिव गोविंद मरकाम , सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी, एसडीएम पाली टीआर नाग, जीएम जोहिला क्षेत्र कैलाश चंद्र साहू, एपीएम जी श्यामला राव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ज्योति सिंह, जिला समन्वयक एनआरएलएम, महा प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र दिनेश मर्सकोले, नोडल अधिकारी आशीष श्रीवास्तव, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, जिला खनिज अधिकारी फरहत जहां, सहित अन्य जिला प्रमुख एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे है।

दुष्कर्म और फरारी का केस छुपाने के मामले में कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ चुनाव आयोग को शिकायत

इंदौर। पत्नी की कंपनी में डायरेक्टर हैं विजयवर्गीय, यह जानकारी भी शपथ पत्र में छुपाई। आरोपों पर विजयवर्गीय ने कहा है कि कांग्रेस डर्टी पॉलिटिक्स कर रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और एमपी इलेक्शन में इंदौर विधानसभा एक से प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ दुष्कर्म का केस छुपाने के मामले में चुनाव आयोग से शिकायत की गई है। कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला ने यह शिकायत की है। इस मामले में रिटर्निंग ऑफिसर ओमनारायण सिंह बड़कुल पर भी निष्क्रियता बरतने का आरोप लगा है। इसमें एक केस बंगाल में दुष्कर्म और दूसरा छत्तीसगढ़ में फरारी से जुड़ा है। इसके साथ विजयवर्गीय पर पत्नी की कंपनी में डायरेक्टर होने की जानकारी छुपाने की शिकायत अलग से थाने में भी की गई है। कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला के एडवोकेट सौरभ मिश्रा ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ दो आपराधिक केसों को शपथ पत्र से छुपाने की जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद रिटर्निंग अफसर ने

संज्ञान नहीं लिया और फॉर्म पास कर दिया है। वहीं अपने ऊपर लगे आरोपों पर विजयवर्गीय का कहना है कि कांग्रेस डर्टी पॉलिटिक्स पर उतर आई है। मैं ऐसी राजनीतिक कभी नहीं करता। दम है तो मैदान में आकर मुद्दों पर चुनाव लड़े।

पश्चिम बंगाल में दर्ज है दुष्कर्म का केस

पश्चिम बंगाल में भाजपा प्रभारी रहे कैलाश विजयवर्गीय पर एक महिला ने दुष्कर्म, अमानत में खयानत सहित अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज करवाया था। कोर्ट के आदेश पर अलीपुर थाने में दर्ज इस केस के खिलाफ विजयवर्गीय ने हाईकोर्ट में अपील की थी, जो खारिज हो गई थी। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी निचली अदालत को फिर से आदेश पर विचार करने के निर्देश दे दिए। इससे जाहिर है कि अभी केस का निराकरण नहीं हुआ है। इसकी जानकारी उन्होंने नामांकन भरने के दौरान छिपाई।

छत्तीसगढ़ में फरार घोषित हैं विजयवर्गीय

मिश्रा ने बताया कि विजयवर्गीय ने ऐसे ही खुद के खिलाफ दुर्ग में दर्ज केस की जानकारी चुनाव निर्वाचन आयोग में फॉर्म में भरते समय नहीं दी है। कोर्ट ने उन्हें फरार घोषित किया है। कई बार समन, वारंट, गिरफ्तारी वारंटी जारी किए होंगे लेकिन विजयवर्गीय ने जमानत नहीं कराई। दो नवंबर को शिकायत के माध्यम से रिटर्निंग ऑफिसर ओमनारायण सिंह बडकुल को दी लेकिन उन्होंने भी कोई कार्रवाई नहीं की।

कड़कनाथ के 2,000 रुपये तक बढ़ गए दाम

झाबुआ। कहावत है कि राजनीति जो न करवाए वो कम है। मध्यप्रदेश में चुनाव का एलान होते ही झाबुआ में कड़कनाथ मुर्गो की डिमांड बढ़ने लगी है। झाबुआ का प्रसिद्ध यह मुर्गा आम दिनों में 800 से 950 रुपये प्रति नग बिकता है। लेकिन आदिवासी बहुल इलाके झाबुआ-आलीराजपुर में चल रही चुनावी दावतों के चलते इन मुर्गों के रेट बढ़ गए हैं। बाजार में अब कड़कनाथ 1500 से 2000 रुपये के बीच बिक रहा है। कड़कनाथ मुर्गा मूलतः मध्यप्रदेश के झाबुआ का ब्रीड है, इसलिए भारत सरकार ने इसे झाबुआ का कड़कनाथ नाम से जीआई टैग दिया भी हुआ है।

आखिर कड़कनाथ मुर्गे के दामों में अचानक उछाल क्यों आया है? इस सवाल के जवाब में स्थानीय कड़कनाथ विक्रेताओं का कहना है कि जब मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव होते हैं, उस समय गुलाबी ठंड का मौसम होता है। इस दौरान बड़ी तादाद में बाहरी प्रदेशों और जिलों से प्रचार करने लोग इस आदिवासी क्षेत्र में आते हैं। तब वे झाबुआ आने पर कड़कनाथ खाने की इच्छा रखते हैं। अपने स्थानीय संपर्कों की मदद से वह अपना शौक पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसलिए चुनावों में इसकी मांग बढ़ती है और आपूर्ति प्रभावित होती है। दाम लगभग दोगुने हो

जाते हैं।

व्यापारी बताते हैं कि आदिवासी जिलों की राजनीति में ग्रामीण मतदाताओं का अहम रोल होता है। वे ही प्रत्याशियों की हार जीत का फैसला करते है। क्योंकि शहरी वोट विभाजित हो जाते हैं, लेकिन ग्रामीणों द्वारा किया जाने वाला मतदान एक तरफा होता है। जो प्रत्याशी के राजनीतिक भविष्य को तय करता है। ग्रामीण को अपने पक्ष में करने के लिए उम्मीदवार सरपंचों और अन्य स्थानीय नेताओं की मदद लेते हैं। वे नेताओं और लोगों को कड़कनाथ की दावत का प्रभोलन भी देते हैं।

चुनाव साल में कुछ इस तरह तैयार करते हैं व्यापारी

चुनाव की घोषणा से पहले ही कई नेताओं झाबुआ के कड़कनाथ और अन्य देशी मुर्गे का स्टॉक कर लेते हैं। क्रॉस ब्रीड कड़कनाथ जो चुनाव घोषणा के पहले तक 900 रुपये में बिक रहा था, जो घोषणा के बाद 1100 रुपये में खुले बाजार में अब बिकने लगा है। वहीं देशी कडकनाथ जो 1000 रुपये तक में बिकता था। वह अब 1500 से 2000 रुपये तक पहुंच गया है। अब इसकी कीमतों में ओर तेजी आ जाएगी। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि विधानसभा चुनाव के साल में वोटिंग के चार-पांच महीने पहले से चूजे लाकर बड़ा करते हैं और प्रचार अभियान के दौरान अच्छा मुनाफा कमाते हैं।

कांग्रेस के पास मुझे कमजोर करने का कोई तथ्य नहीं इसलिए तोड़फोड़ की बात करती हैः पंवार

भाजपा प्रत्याशी ने नुक्कड़ सभा को किया संबोधित

ब्यावरा। कांग्रेस के पास मुझे कमजोर करने के लिए कोई तथ्य नहीं है और न ही उनके पास विकास का कोई मुद्दा है। इसलिए कांग्रेस यह अफवाह फैलाती है कि ये शहर में तोड़फोड़ करेंगे। लेकिन यह सत्य नहीं है। अभी किसी भी रोड का चैड़ीकरण हमारे एजेंडे में नहीं है। शहर में ओर भी बहुत कार्य है करने के लिए। हम वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करेंगे। इसलिए आप कांग्रेस के बहकावे में न आएं। यह बात स्थानीय सुभाष चैक में आयोजित नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी नारायण सिंह पंवार ने कही।

उन्होंने कहा कि ब्यावरा शहर बढ़ रहा है और यहां निश्चित रूप से विकास की अपार संभावनाएं है। यहां कृषि उपज मंडी का विस्तार करनेए ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करने, नए बायपास बनानेए पार्किंग जोन बनाने, औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करने जैसे कार्य किये जायेंगे। नुक्कड़ सभा को सांसद रोडमल नागरए पूर्व राज्यमंत्री बद्रीलाल यादव सहित कई नेताओं ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता दिलवर यादव, जसवंत सिंह गुर्जर, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाह, नारायण सिंह सालरियाखेड़ी, मानसिंह टोंका, रामनारायण दांगी, इंदरसिंह लववंशी, चंदन अग्रवाल, रमेश साहू, हेमलता शर्मा, मोहन दांगी सहित कई नेता उपस्थित थे।

आप लोगों के भरोसे मैदान में खड़ा हूँ.

भाजपा प्रत्याशी नारायण सिंह पंवार ने कहा कि आप लोगों ने सर्वे में मेरा नाम दिया इसलिए पार्टी ने मुझे टिकिट दिया है। अब आपके भरोसे ही मैं मैदान में खड़ा हूँ।उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल का रिकार्ड उठा लें। इंदौर से लेकर भिंड तक। मंत्रियों की विधानसभा तक मेरे कार्यकाल में ब्यावरा से आगे विकास कार्य में कोई नहीं है। उन्होंने यहां मौजूद जनसमुदाय से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि मुझमें कुछ करने की ललक व क्षमता है। आप मुझे चुनकर भेजोगे तो क्षेत्र के लिए कुछ करके दिखाऊंगा।

कांग्रेस की सरकार बनना सुनिश्चित, सभी वादे होगें पूरेः दिग्विजयसिंह

ब्यावरा। प्रदेश की जनता भाजपा की भ्रष्ट सरकार को हटाने का मानस बना चुकी और चुनाव बाद कांग्रेस की सरकार आना सुनिश्चत है। वचन पत्र में किए गए वादों को निभाया जाएगा। उक्त उदगार पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने ब्यावरा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में व्यक्त किए। उन्होने सभी कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत से जुटने का आव्हान किया।

सभी के साथ किया अन्याय

श्री सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी वर्गो के साथ अन्याय किया है। किसान वर्गए मध्यम वर्गए व्यापारी वर्ग व समाज के सभी लोगों के साथ भाजपा सरकार ने अन्याय किया है। भाजपा दावा करती है कि उन्होने लोगों की आय बढ़ाई हैए लेकिन मंहगाई से लोगों का जीना मुहाल है। देश के हर वर्ग की बचत में भारी कमी आई है। केंद्र सरकार ने खुद इसे स्वीकार किया है। उन्होने वर्तमान विधायक रामचंद्र दांगी की प्रशंसा की और कहा उनका कार्यकाल बेहद अच्छा रहा और कांग्रेस उम्मीदवार पुरषोत्तम दांगी ने

भी अपने 2008 से 2013 के कार्यकाल में जनता की भरपूर सेवा की है।

वचन पत्र जनता तक पहुंचाए

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने कार्य कर्ताओ से यह आव्हान किया कांग्रेस का वचन पत्र आम जनता तक पहुंचाए। इस वचन पत्र में किए गए वादे समाज के हर वर्ग के लिए लाभप्रद है। और इसे आम जन तक पहुंचाना आवाश्यक है। मुख्य रूप से मप्र की महिलाओं को 1500 रूपए प्रति माह ए 500 रूपए में गैस सिलेंडरए किसानो से गोबर क्रय किया जानाए प्रदेश में गौशालाओं का निमार्णए वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धिए आदि योजनाएं इस वचन पत्र मं शामिल है। जिसकी जानकारी मतदाताओं तक पहुंचना जरूरी है।श्री सिंह ने किसानो की कर्ज माफी का उललेख करते हुए कहा कि यदि सरकार धनबल से नहीं गिराई जाती तो सभी का दो लाख रूपए तक का कर्जा माफ हो चुका होता । कार्यक्रम के दौरान मउ के 15 भाजपा के कार्यकर्ता व सुठालिया नगर पंचायत के दो पार्षदों ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान बड़ी संख्या में समूची विधानसभा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।कांग्रेस की सरकार बनना सुनिश्चतए

सभी वादे होगें पूरेः दिग्विजयसिंह

प्रदेश की जनता भाजपा की भ्रष्ट सरकार को हटाने का मानस बना चुकी और चुनाव बाद कांग्रेस की सरकार आना सुनिश्चत है। वचन पत्र में किए गए वादों को निभाया जाएगा। उक्त उदगार पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने ब्यावरा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में व्यक्त किए। उन्होने सभी कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत से जुटने का आव्हान किया।

श्री सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी वर्गो के साथ अन्याय किया है। किसान वर्गए मध्यम वर्गए व्यापारी वर्ग व समाज के सभी लोगों के साथ भाजपा सरकार ने अन्याय किया है। भाजपा दावा करती है कि उन्होने लोगों की आय बढ़ाई हैए लेकिन मंहगाई से लोगों का जीना मुहाल है। देश के हर वर्ग की बचत में भारी कमी आई है। केंद्र सरकार ने खुद इसे स्वीकार किया है। उन्होने वर्तमान विधायक रामचंद्र दांगी की प्रशंसा की और कहा उनका कार्यकाल बेहद अच्छा रहा और कांग्रेस उम्मीदवार पुरषोत्तम दांगी ने भी अपने 2008 से 2013 के कार्यकाल में जनता की भरपूर सेवा की है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने कार्य कर्ताओ से यह आव्हान किया कांग्रेस का वचन पत्र आम जनता तक पहुंचाए। इस वचन पत्र में किए गए वादे समाज के हर वर्ग के लिए लाभप्रद है। और इसे आम जन तक पहुंचाना आवाश्यक है। मुख्य रूप से मप्र की महिलाओं को 1500 रूपए प्रति माह ए 500 रूपए में गैस सिलेंडर, किसानो से गोबर क्रय किया जाना, प्रदेश में गौशालाओं का निमार्णए वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धिए आदि योजनाएं इस वचन पत्र में शामिल है। जिसकी जानकारी मतदाताओं तक पहुंचना जरूरी है।श्री सिंह ने किसानो की कर्ज माफी का उललेख करते हुए कहा कि यदि सरकार धनबल से नहीं गिराई जाती तो सभी का दो लाख रूपए तक का कर्जा माफ हो चुका होता । कार्यक्रम के दौरान मउ के 15 भाजपा के कार्यकर्ता व सुठालिया नगर पंचायत के दो पार्षदों ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान बड़ी संख्या में समूची विधानसभा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्या इस बार भाजपा के गढ़ को भेद पाएगी कांग्रेस

दोनों ही प्रमुख दल लग रहा है एडी से चोटी का जोड़

संतोष पुष्पद

सारंगपुर राजगढ़ जिले की सारंगपुर आरक्षित सीट पर पिछले चुनाव पर अगर हम निगाह डालें तो सन 2018 के विधानसभा चुनाव में सारंगपुर विधानसभा सीट पर सात उम्मीदवार मैदान में थे लेकिन मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा में ही रहा था जिसमे भाजपा के कुंवर कोठार 7500 5 बोट तो कांग्रेस की कला मालवीय को 70624 बोर्ड आए इस प्रकार कुंवर कोठार को कुल 4 381 मतों के मामूली अंतर से जीत मिली थी।

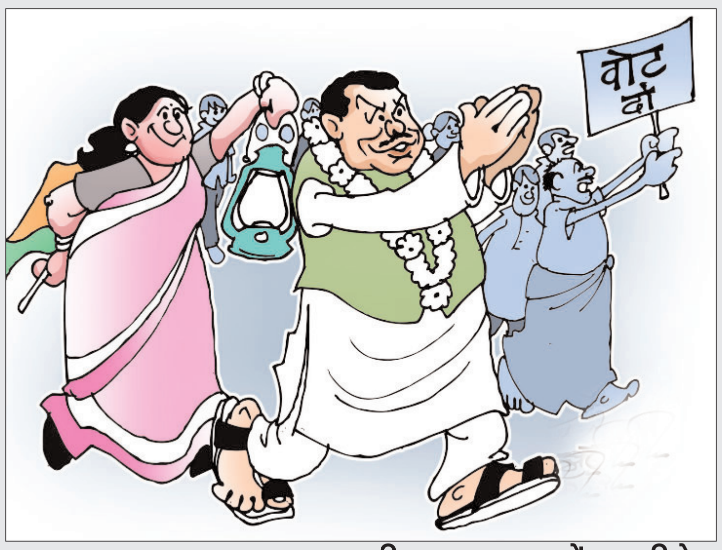

कांग्रेस में भीतरी घात नहीं होता तो पिछली बार भाजपा के गढ़ को भेद दिया होता

वैसे इस बार कांग्रेस खेमे में जन चर्चा है कि पिछली बार कांग्रेस की अंतर कलह के कारण कुछ कांग्रेसी नेताओं ने गुटबाजी के चलते भीतरी घात किया था लेकिन सालों के वनवास के कारण कांग्रेस में एक जुटता आई है।

राजगढ़ जिले की सारंगपुर विधानसभा सीट की अलग ही पहचान है अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित सीट है पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का यहां गृह क्षेत्र है ऐसे में कांग्रेस को कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी वहीं भाजपा अपने किले को हर हाल में बचाये रखना चाहाती है अभी सीट पर भा जा पा का ही कब्जा है भा जा पा के कार्यकर्ताओं का कहना है की गुडबाजी हर पार्टी में होती है और हर बार होती है और हर बार भाजपा ही विजय होती है वाही कुछ लोगों का कहना है कि यहां भाजपा का गढ़ है और प्रचंड बहुमत से बीजेपी जीतेगी।

विधान सभा चुनाव में 7 बार विजेता रहा कोठार परिवार

सारंगपुर सीट पर 13 बार चुनाव हुए जिसमें से 9 बार चुनाव में भाजपा और तीन बार कांग्रेस को जीत मिली वहीं एक बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी अमरसिंह कोठार ने जीत हासिल की तब से श्री अमर सिंह कोठार पांच बार चुनाव जीते इसलिए इस सीट पर पांच बार अमर सिंह कोठार चुनाव जीते और दो बार उनका बेटा कुंवर जी कोठार विजेता रहे और एक बार गोतम टेटवाल भी विजय हुवे ही। इसलिए सारंगपुर विधानसभा सीट को राजगढ़ जिले में भाजपा का गढ़ माना जाता रहा है और इस सीट को भाजपा का गढ़ भी कहा जाता है। आबादी की बात करे तो यहां पर आदि से ज्यादा आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती है इस क्षेत्र में अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है इसके बाद ओबीसी का मतदान सबसे अधिक ऐसे में चुनाव का परिणाम क्या होगा याह तो वक्त ही बताएगा बरहल इस बार मतदाता मोन है।

दोनों ही दल लग रहा है एडी से छोटी का जोर

अगर देखा जाए तो सारंगपुर विधानसभा के प्रमुख दोनों दल एडी से चोटी का जोर लगा रहा है सुबह से ही भाजपा और कांग्रेस के कर्मठ लोग अपने-अपने कार्यलय में आकर लगातार गांव में जाकर धुआंधार प्रचार प्रसार कर रहे हैं और लोगों को अपने वादों से लुभाने का प्रयास कर रहे हैं चुनाव परिणाम क्या होगा यहां तो वक्त ही बताएगा पर अभी दोनों ही खेमों में बेचैनी का दौर है।

चुनाव पर्यवेक्षक व रिटर्निंग अधिकारी ने प्रत्याशियों की ली बैठक

लोकहित की पुकार, नरसिहगढ़

विधानसभा चुनाव के मतदान के 14 दिन बचे हैं। चुनाव की आचार संहिता के बारे में विस्तार से बताने के लिए चुनाव आयोग की ओर से शुक्रवार को एक बैठक एसडीएम कार्यालय में रखी गई। जिसमें मुख्य ऑब्जर्वर डीसी दास। चुनाव रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम अंशुमन राज और नायब तहसीलदार सुनीता कुमारी विशेष रूप से शामिल हुई। एसडीएम ने बताया कि चुनाव प्रचार के लिए 14 नवंबर की रात आखिरी रहेगी। इसके बाद कोई चुनाव प्रचार नहीं होगा। उन्होंने यह भी बताया कि अगर कोई भी प्रत्याशी कहीं भी कोई उपहार या जिस पर तुरंत कार्रवाई होगी और राशि देता हुआ पाया जाता है तो यह आपराधिक कृत्य माना।

जाएगा। निर्वाचन अधिकारियों ने अधिक से अधिक लोगों को सी विजिल एप का उपयोग करने के लिए कहा। इसकी सबसे बड़ी सुविधा यह है कि कहीं भी अगर चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन कीव्यक्ति की पहचान भी पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस तरह की कार्रवाइयां हो भी चुकी हैं। चुनावी प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी और बेहतर बनाने के लिए सी विजिल एप का उपयोग जरूर किया जाए। उन्होंने यह जानकारी भी दी कि कोई भी प्रत्याशी अपने पास 50000 से थे।

पारदर्शिता पर फोकस

पर्यवेक्षक व रिटर्निंग अधिकारी ने चुनाव की प्रक्रिया समझाई। कोई भी घटना होती हुई पाई जाती है तो कोई भी व्यक्ति सी विजिल एप के माध्यम से उसके फोटो वीडियो चुनाव आयोग को सीधे सेंड कर सकता है।

एसडीएम अंशुमन राज ने सभी प्रत्याशियों को चुनाव आयोग के नियमों का पालन करने के दिए निर्देश नियमों का उल्लघंन करने पर होगी कार्रवाई

हमारा पूरा जोर चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर है। किसी को भी कोई भी शिकायत या सूचना देनी हो तो सीधे हमारी शाखा में बताएं। सी-विजिल एप का उपयोग करें। डीसी दास, मुख्य ऑब्जर्वर, राजगढ़।

ज्यादा नकद और 10000 से ज्यादा कीमत की कोई चीज नहीं रख सकता है। बैठक में सभी 11 प्रत्याशी या उनके प्रभारी और निर्वाचन शाखा के कर्मचारी मौजूद।

प्रचार या रैली के वाहनों पर पीला स्टीकर जरूरी

बैठक में बताया कि चुनाव प्रचार या रैली में जो भी वाहन है उनके लिए रिटर्निंग कार्यालय से अनुमति लेना बहुत आवश्यक है। इसके बदले में पीला स्टीकर जारी किया जा रहा है। जिस वाहन पर यह पीला स्टिकर नहीं पाया जाएगा उसे बिना अनुमति के चलता हुआ माना जाएगा। इस पर कार्रवाई होगी। हेलीपैड के उपयोग के लिए सुविधा केंद्र से अनुमति लेनी होगी। जो जनपद पंचायत परिसर में बनाया गया है। वैसे सुविधा केंद्र से 3 दिन में अनुमति देने का प्रावधान है। लेकिन काम को अधिक सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से स्थानीय स्तर पर यह अनुमति एक दिन के अंदर-अंदर दी जा रही है। इसमें भी जो भी प्रत्याशी पहले आवेदन देगा। उसे अनुमति पहले मिलेगी। इसके अलावा किसी भी बाइक पर प्रचार के लिए झंडा एक बाई आधा फिट से ज्यादा की ऊंचाई का नहीं रहेगा।

सुबह होगा मॉक पोल

प्रत्येक मतदान केंद्र पर 17 की सुबह 16 बजे मॉक पोल होगी। जिसमें ईवीएम की जांच सबकी मौजूदगी में की जाएगी।

इसके बाद 7 बजे से मतदान शुरू होगा इस बार 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को उनके घर से ही मतदान की सुविधा दी जाएगी।

जिसमें मतदान दल घर पर जाकर मतदान करवाएगा। इस दौरान राजनीतिक पार्टियों के एजेंट एक निश्चित दूरी पर मौजूद रहेंगे। वे मतदान को प्रभावित नहीं कर सकेंगे।

रैली में गाड़ी कोई भी लाए, खर्चा प्रत्याशी का होगा

एसडीएम ने बताया कि चुनाव प्रचार की रैली में अगर अनुमति से ज्यादा वाहन आते हैं तो वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर उनकी पुष्टि। एसडीएम अंशुमन राज के निर्देश पर सभी प्रशासनिक अधिकारी क्षेत्र पर नजर बनाए हुए हैं।

स्वयं एसडीएम अंशुमन राज भी स्वयं क्षेत्र का दौरा कर स्थिति पर नजर बनाए हुए प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान करने के सुरक्षा व्यवस्था के कडे मजबूत इंतजाम किए गए ।

गाड़ी लेकर मंदिर में चोरी करने पहुंचे बदमाश

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के नागदा नगर के महिदपुर नाका के पास स्थित राजेंद्र सूरी जैन दादावाड़ी मंदिर में चोरी की सनसनीखेज वारदात हुई है। यहां बदमाशों ने बड़े ही शातिर तरीके से वारदात को अंजाम दिया। बदमाश पिकअप लेकर मंदिर पर पहुंचे। यहां वाहन आड़ा लगाया गया, ताकि यह पता न चले कि वाहन किस तरफ से आया। उसके वाहन से उतरे तीन बदमाशों ने पहले दादावाड़ी के एक कमरे में सो रहे मजदूरों को बंद किया।

फिर मंदिर के मेन गेट का ताला तोड़कर यहां रखी रुपयों से भरी पेटियां उठाकर वाहन में रखकर ले गए। करीब महीनाभर पहले ही मंदिर ट्रस्ट ने एक दानपेटी खोलकर राशि निकाल ली थी। बाकी दो दान पात्र में लगभग 30 हजार रुपये होने बताए जा रहे हैं। इसके अलावा दान पात्र की कीमत लगभग 50 हजार रुपये बताई जा रही है। वारदात की सूचना मिलने के बाद मंडी टीआई नलिन बुधौलिया के साथ सीएसपी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंच गए। वारदात की गंभीरता को देखते हुए एएसपी नीतेश भार्गव भी मौके पर पहुंच गए थे। स्थानीय पुलिस की सूचना पर एफएसएल, डॉग स्क्वॉड व फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। टीम को मौके से बदमाशों के फिंगरप्रिंट मिले हैं। अंगुलियों के यह निशान किस उम्र वर्ग के बदमाश के हैं। इसका पता नहीं चल पाया है। टीआई नलिन बुधौलिया ने बताया कि मामले में मनीष जैन की रिपोर्ट पर अज्ञात पर केस दर्ज किया है। बदमाशों की तलाश जारी है। बदमाश नगर में चंद्राप्रभु मंदिर का काम चल रहा है। मंदिर का काम कर रहे मजदूर इसी दादावाड़ी मंदिर के एक कमरे में रहते हैं।

सारंगपुर विधानसभा के तरलाखेडी शक्ति केन्द्र की बैठक सम्पन्न हुई

लोकहित की पुकार, सारंगपुर।

विधानसभा के तरलाखेडी शक्तिकेन्द्र की बैठक श्री मुकेशकुमार पूर्व सरपंच साहब की होटल पर आयोजित हूई जिसमे शक्तिकेन्द्र प्रभारी कैलाशनारायण मेवाडा, हितग्राही प्रभारी करणसिंह दरबार जनपद सदस्य, मंडल महामंत्री रमेशचंद्र लववंशी, केशरसिंह पटेल साहब, हीरालाल मुनीम ,सहप्रभारी इंदरसिंह लववंशी पूर्व सरपंच, प्रेमनारायण पटेल साहब, मुकेश कुमार पूर्व सरपंच साहब, लाडसिंह लववंशी, लालजीराम मेंबर साहब, आत्माराम लववंशी, अमरसिंह सेठजी , हिरासिह पटेल साहब, बद्रीलाल लववंशी, गोकुल प्रसाद, निर्भय मेवाडा, मनोहरलाल लववंशी, ज्ञानसिंह ,लिलधरसिह मेवाडा, राधेश्याम लववंशी,विक्रम अहिरवार, बंशीलाल ,मनोज लववंशी, विजयसिंह लववंशी,रामसिंह लववंशी के साथ मोहन लववंशी सोशल मिडिया प्रभारी एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ताओ की उपस्थित रही।

काछीखेड़ी एस.एस. टी. पाईंट से चैकिंग के दौरान 94,400 पकड़े

लोकहित की पुकार, सारंगपुर।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 164 - सारंगपुर अन्तर्गत उड़नदस्ता दल -01 (बी) (सुरेश सिंह) सहायक रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा काछीखेड़ी (शुजालपुर रोड) एस.एस. टी. पाईट पर दिनांक 03.11.2023 को समय सायं 5. 00 बजे वाहनों की चैकिंग के दौरान वाहन क्रं क्क-66र 6786 में राहूल गर्ग पिता कृष्ण कुमार गर्ग, मो0नं. 9465611950 निवासी ग्राम निहालसिंह वाला, जिला मोंगा, राज्य पंजाब से राशि रू. 94,400 /- नगदी पाये जाने पर राशि जब्त कर अग्रिम कार्यवाही कर उक्त राशि को जप्त कर थाना- सारंगपुर में रोजनामचा विवरण 051 दिनांक 03.11.2023 द्वारा सीलबंद लिफाफे में बंद कर सुरक्षार्थ रखने हेतु मालखाना प्रभारी इरफानउल्ला को थाना प्रभारी एस. एस. चौहान के समक्ष सुपुर्द किया गया। प्रथम प्रारंभिक पूछताछ में राहूल गर्ग पिता कृष्ण कुमार गर्ग के किसी राजनैतिक पार्टी से संबंध नहीं पाये गये एवं उनके विरुद्ध थाना- सारंगपुर में एफ.आई.आर. दर्ज नहीं की गई है। उक्त कार्यवाही का पंचनामा एवं नगदी की रसीद रोजनामचा मूलतः पत्र के संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु ली गई।

चार दिवसीय राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता का जिला शिक्षा अधिकारी ने कराया टॉस

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

लोकहित की पुकार, सारंगपुर।

नगर के उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी करण सिंह भिलाला ने प्रतियोगिता का टास्क कराकर शुभारंभ किया इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी करण सिंह भिलाला में सभी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।खेल भावना से खेल खेलने के साथ जिला प्रदेश सहित नेशनल में भी अपना नाम रोशन करें।

इस मौके पर ऑब्जर्वर चंद्रशेखर स्वामी भारती नेक्या जिला कीड़ा अधिकारी महेंद्र सिंह परमार बीईओ बीएल सूर्यवंशी प्राचार्य दिनेश गुप्ता लोकेश जादव मौजूद थे। व्यायाम शिक्षक भारत भेरवे ने जानकारी देते हुवे बताया कि रोज 20 लिक मैच हो रहे है जिसमे खो खो मैच के परिणाम इस प्रकार है:-

1.इंदौर विजेता 3 अंक से बालक
2.आदिवासी विजेता 16 अंक से बालक
3.नर्मदापुरम विजेता 9 अंक से बालिका
4. जबलपुर विजेता 17 अंक से

बालक वर्ग

ग्वालियर से जबलपुर जीता बालक वर्ग
रीवा जीता सागर से
भोपाल जीता शहडोल से
उज्जैन ग्वालियर से जीता
आदिवासी विकास सागर से जीता

बालिका वर्ग

इंदौर आदिवासी विकास जीता
उज्जैन जीता जबलपुर से
भोपाल जीता सागर से
इंदौर जीता नर्मदा पुरम से।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में हुई विभिन्न गतिविधियां

लोकहित की पुकार, सारंगपुर।

शासकीय महाविद्यालय व नगर परिषद छापीहेड़ा के संयुक्त तत्वाधान में स्वीप कार्यक्रम के पाक्षिक गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम का आरंभ मा सरस्वती को दीप प्रज्जवलित से हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ लविना निनामा द्वारा छात्र/छात्राओं को शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया गया एवं नगर परिषद सीएमओ द्वारा छात्र/छात्राओं को समझाइश दी गई की वे किस प्रकार सही तरीके से मतदान करे साथ ही अधिक से अधिक अपने परिवार एवं आस पास के लोगों को भी मतदान करने जागरूक करे। कार्यक्रम में मेहंदी प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई कार्यक्रम मे मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत शपथ ली जाकर अधिक से अधिक मतदान करने हेतु सभी को प्रेरित किया गया कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी हरिओम शर्मा महाविद्यालय स्टाफ डॉ महेंद्र सिंह चौहान, सुनिल भाबौर, मोहम्मद इश्त्याक, डॉ बाबूलाल अहिरवार रामस्वरूप दांगी, श्रीमति सुनिता मंडलोई,डॉ सुधाकर देव,लक्ष्मण गौंड, लोकेंद्र मालवीय एवं नगर परिषद स्टाफ राम नागर जमील खान मंसूरी मोहनलाल वर्मा भेरू सिंह मालवी आदि उपस्थित थे।

मतदान के दिन ड्यूटी में होने पर 4 विभागों के शासकीय सेवक डाक मतपत्र से कर सकेंगे मतदान

राजगढ। मतदान के दिन ड्यूटी में होने पर 4 विभागों के शासकीय सेवकों को डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा मिलेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन -2023 की मतदान तिथि 17 नवम्बर को अत्यावश्यक सेवाओं में कर्त्तव्यस्थ होने के कारण 4 विभागों के शासकीय सेवक डाक मतपत्र से मतदान कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस आशय की अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार मतदान के दिन ड्यूटी पर होने के कारण अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर उपस्थित होने में सक्षम नहीं होंगे। ऐसे शासकीय सेवक डाक मतपत्र से मतदान करने के लिये पात्र होंगे। अत्यावश्यक सेवाओं में कार्यरत लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, गृह विभाग (अग्निशमन सेवाएँ) और ऊर्जा विभाग शामिल है।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 465697 से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 465697 से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइल:- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।